https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
सोमवार, 23 फरवरी 2026
वर्ष 18 अंक 161
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 28° से.
न्यूनतम : 16° से.

jantaunion@gmail.com

सात लोगों की अकाल मौत...- 3 | न्याय का वास्तविक अर्थ, लोगों के चेहरे...-8

सार संक्षेप

सुपर बम तूफान का अमेरिका पर हमला, एयर इंडिया ने न्यूयार्क की सभी उड़ानें कीं रद्द

नई दिल्ली (जीएनएस)। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट, खासकर न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में आने वाले भयानक बर्फीले तूफान और भारी बर्फबारी के खतरे को देखते हुए एयर इंडिया ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। सोमवार (23 फरवरी) को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स कैंसिल रहेंगी।
एयरलाइन ने एक बयान जारी कर कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। 22 और 23 फरवरी को मौसम बेहद खराब रहने का अनुमान है, जिससे उड़ानों के संचालन पर असर पड़ेगा। एयर इंडिया ने भरोसा दिया है कि जिन यात्रियों की बुकिंग रद्द हुई है, उनकी मदद के लिए स्पेशल टीमें तैनात की गई हैं।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में सर्जीकल स्ट्राइक! आतंकी हमलों के बाद टीटीपी के 7 कैंप किए ध्वस्त

कराची (जीएनएस)। पाकिस्तान ने देश में हुए हालिया हमलों के जवाब में अफगानिस्तान में शनिवार रात कम से कम सात ''आतंकवादी ठिकानों'' को निशाना बनाकर सैन्य कार्रवाई की। खैबर-पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में शनिवार को एक आत्मघाती हमले में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सैनिक की मौत हो गई। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान के पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि इस्लामाबाद की शिया मस्जिद पर हमला और शनिवार को बन्नू में हुई घटना समेत आतंकवाद की ये घटनाएं कथित तौर पर ख्वारिज ने अफगानिस्तान स्थित अपने आकाओं और संचालकों के इशारे पर कीं।मंत्रालय ने कहा, ''इन हमलों की जिम्मेदारी फितना अल ख्वारिज (एफएके) से संबंधित अफगानिस्तान स्थित पाकिस्तानी तालिबान और उनके सहयोगियों तथा इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरसान प्रांत (आईएसपीके) ने ली है।'' उसने कहा कि अफगान तालिबान शासन से बार-बार आग्रह किया गया कि वह आतंकवादी समूहों और विदेशी एजेंटों को पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अफगान क्षेत्र का उपयोग करने से रोके लेकिन इसके बावजूद वह उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने में ''विफल'' रहा। उसने कहा, ''इस पृष्ठभूमि में, पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान-अफगान सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी तालिबान, एफएके और उसके सहयोगियों तथा आईएसकेपी से संबंधित सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को खुफिया जानकारी के आधार पर सटीक और कुशलता से निशाना बनाया है।'' मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अंतरिम अफगान सरकार से अपने दायित्वों को पूरा करने की अपेक्षा को दोहराता है।

बीजेपी में शामिल हुए भूपेन बोरा

गुवाहाटी (जीएनएस)। असम की राजनीति में रविवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आधिकारिक तौर पर बीजेपी जॉइन कर ली। गुवाहाटी में असम बीजेपी चीफ दिलीप सैकिया की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ संजू बरुआ और सर्बनारायण देवरी जैसे युवा कांग्रेस नेता भी बीजेपी में शामिल हुए हैं।

मेरठ से पीएम का कॉंग्रेस-सपा पर तीखा हमला

पहले स्कैम होते थे, अब काम होता है : मोदी

मेरठ (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (ऋऋझ्रस) और मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के दौरान एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को विकसित भारत की कनेक्टिविटी का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

नया विजन और कार्य संस्कृति
पीएम मोदी ने कहा कि आज पहली बार एक ही प्लेटफॉर्म और एक ही ट्रैक पर नमो भारत ट्रेन और मेट्रो दोनों चल रही हैं। उन्होंने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैं, बल्कि जिस काम का पत्थर रखा जाता है, उसे समय पर पूरा भी किया जाता है।
प्रधानमंत्री ने पुरानी सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले इस रूट पर शाम होते ही सन्नाटा और डर का माहौल रहता था, लेकिन अब कानून-व्यवस्था सुधरने से यात्रा सुरक्षित हो गई है। उन्होंने गर्व से बताया कि नमो भारत में ऑपरेटर से लेकर स्टेशन कंट्रोल स्टाफ तक ज्यादातर काम बेटियां ही संभाल रही हैं, जो नारी शक्ति के सामर्थ्य को दिखाता है।
पीएम मोदी ने जानकारी दी कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों की भेंट चढ़ जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने घोटालों को बंद कर देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।
सराय कालेखां, आनंद विहार और गाजियाबाद जैसे स्टेशनों पर रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। इससे यात्रियों को एक ही स्टेशन से शहर के भीतर जाने और दिल्ली-मेरठ के बीच सफर करने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज विकसित देश भी भारत की युवाशक्ति और विकास को देखकर हमारे साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।
अंत में, प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और यूपी के किसानों को अब तक 95 हजार करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी जा चुकी है।

अब सिर्फ 55 मिनट में दिल्ली से मेरठ, मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली के एलजी ने आरआरटीएस के आखिरी हिस्से को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (जीएनएस)। आज दिल्ली और मेरठ के बीच चलने वाली हाई-स्पीड ट्रेन नमो भारत का पूरा रूट बनकर तैयार हो गया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सराय काले खां स्टेशन पर इस सेवा के अंतिम चरण को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मेरठ में इसके शेष हिस्सों का उद्घाटन किया।
केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस मौके पर खुशी जताते हुए कहा कि अब दिल्ली से मेरठ का सफर बेहद आसान हो गया है। उन्होंने कहा, जहां पहले सड़क के रास्ते दिल्ली से मेरठ जाने में तीन घंटे लगते थे, अब लोग सिर्फ 55 मिनट में यह दूरी तय कर पाएंगे। यात्री कभी भी दिल्ली से मेरठ और मेरठ से दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़ सकते हैं।
इस उद्घाटन के साथ ही दिल्ली के मेट्रो नेटवर्क में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। मनोहर लाल खट्टर ने जानकारी दी कि आज आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो के जुड़ने से दिल्ली के नेटवर्क में 25 किमी और जुड़ गए हैं, जिससे इसकी कुल लंबाई 420 किमी हो गई है। अब दिल्ली मेट्रो दुनिया का सबसे लंबा रूट बन गया है।

ग्लोबल साउथ में इण्डिया का बढ़ा कद, दिल्ली एआई समिट के बाद क्यूबा ने भी माना लोहा

नई दिल्ली (जीएनएस)। क्यूबा की संचार मंत्री मायरा अरेविच मारिन ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को मानव-केंद्रित और न्यायसंगत कृत्रिम बुद्धिमत्ता ढांचे को आगे बढ़ाने में ग्लोबल साउथ की एक अग्रणी आवाज के रूप में स्थापित किया है। नयी दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को आयोजित एआई समिट में भाग लेने के बाद यहां भारत-क्यूबा आईटी फोरम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मारिन ने इस सम्मेलन को वैश्विक प्रौद्योगिकी शासन में एक निर्णायक क्षण बताया।
मारिन ने कहा, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को ग्लोबल साउथ के लिए मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आंदोलन में सबसे आगे रखा है। उन्होंने नवाचार और विनियमन को साथ-साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें इसके उपयोग से जुड़े जोखिमों को कम करना होगा। इसे जिम्मेदारीपूर्वक और समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

खूबसूरत बैकाल झील में बड़ा हादसा, बर्फ में धंसने से 8 चीनी पर्यटकों की मौत

मास्को (जीएनएस)। चीनी पर्यटकों को ले जा रही एक बस रूस की बैकाल झील की बर्फ में धंस गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर इगोर कोबजेव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि शुक्रवार को हुई इस घटना में जमी हुई झील को पार कर रही बस से एक चीनी पर्यटक बचने में कामयाब रहा।
उन्होंने बताया कि मृतकों में सात चीनी पर्यटक और बस का चालक शामिल हैं। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि बचाव दल ने अभियान शुरू करने से पहले पानी के भीतर के कैमरों का इस्तेमाल किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बौखलाए डोनाल्ड ट्रंप, भारत समेत दुनिया पर ठोका 15% वैश्विक शुल्क

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि सभी देशों पर एक दिन पहले लागू किए गए 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रंप की ओर से पहले लगाए गए भारी भरकम शुल्क को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा रद्द किए जाने के बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति ने भारत समेत सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए प्रभावी 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था। अमेरिका के 10 प्रतिशत शुल्क पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत सरकार ने शनिवार को कहा कि वह इन शुल्कों और उनके प्रभावों का अध्ययन कर रही है।
ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कल शुल्क को लेकर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के हास्यास्पद, खराब ढंग से लिखे गए और असामान्य रूप से अमेरिका विरोधी फैसले की गहन, विस्तृत और पूरी समीक्षा व कई महीनों के विचार-विमर्श के बाद मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर रहा हूं। इन देशों में से कई दशकों से अमेरिका से अनुचित लाभ उठा रहे थे, जिसका (जब तक मैं आया नहीं) कोई प्रतिशोध नहीं लिया गया।
उन्होंने कहा, आने वाले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन नए और कानूनी रूप से स्वीकार्य शुल्क निर्धारित करेगा और लागू करेगा, जो 'अमेरिका को पुनः महान बनाने' की हमारी सफल प्रक्रिया को जारी रखेंगे। नयी दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार अमेरिका में शुल्क से जुड़े ताजा घटनाक्रम और उनके संभावित प्रभावों का अध्ययन कर रही है।

भारतीय तटरक्षक बल की बड़ी कार्यवाही, अरब सागर में ईरानी नाव से पकड़ी 5 करोड़ की सिग्रेट्स

पोरबंदर (जीएनएस)। भारतीय तटरक्षक बल ने समुद्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए तस्करी कर रही एक संदिग्ध विदेशी नाव को पकड़ा है। यह नाव भारतीय समुद्री सीमा (विशेष आर्थिक क्षेत्र) के भीतर अवैध रूप से सिगरेट की तस्करी कर रही थी।
शनिवार को तटरक्षक बल के जवानों ने द्वारका से लगभग 115 समुद्री मील पश्चिम में अल मुख्तार नाम की एक नाव को देखा। तलाशी लेने पर नाव के अंदर छिपाकर रखे गए विदेशी ब्रांड की सिगरेट के 200 कार्टन बरामद हुए। इन कार्टन में करीब 1 लाख सिगरेट के पैकेट थे, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2.5 से 5 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है।
इस नाव पर चार ईरानी नागरिक सवार थे, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

जेजू आइलैंड का ट्रिप बना बुरा अनुभव! इंडियन यूट्यूबर सचिन अवस्थी ने सुनाई आपबीती, 38 घंटे तक बनाया बंधक

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत के एक कंटेंट क्रिएटर सचिन अवस्थी ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती सुनाते हुए साउथ कोरिया के जेजू आइलैंड और चीन में हुए कड़वे अनुभव को साझा किया है। सचिन का दावा है कि उन्हें बिना किसी स्पष्ट कारण के 38 घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया।
सचिन के मुताबिक, वे बड़े उत्साह के साथ जेजू आइलैंड पहुंचे थे, लेकिन इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें एंट्री देने से मना कर दिया। उन्हें एक होल्डिंग एरिया में ले जाया गया जो बिल्कुल जेल जैसा था। सचिन ने आरोप लगाया कि वहां न तो धूप थी और न ही बाहर जाने की जगह। उन्हें वहां जेल का खाना दिया गया और उनकी हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी गई।
यूट्यूबर का आरोप है कि अधिकारियों ने उन्हें भारत वापस भेजने के लिए बहुत महंगा रिटर्न टिकट बुक करने पर मजबूर किया। उन्होंने कहा, टिकट की कीमत सामान्य से 10 गुना ज्यादा थी, लेकिन उस वक्त हमारे पास बहस करने की ताकत नहीं थी, हम बस सुरक्षित बाहर निकलना चाहते थे।
चीन से गुजरते समय भी उनके हालात नहीं बदले। सचिन ने बताया कि वहां उन्हें फोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं थी और खाना-पानी भी बहुत कम दिया गया। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा किया कि जब वे टॉयलेट जाते थे, तब भी एक पुलिस अधिकारी बॉडीकैम पहनकर उन पर नजर रखता था।
सचिन अवस्थी ने स्पष्ट किया कि वे यह जानकारी सहानुभूति पाने के लिए नहीं, बल्कि दूसरों को जागरूक करने के लिए साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन का फैसला लेना अधिकारियों का हक है, लेकिन किसी के साथ बुरा व्यवहार करना गलत है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक विस्तृत वीडियो भी डाला है ताकि भविष्य में अन्य यात्री ऐसी स्थिति से बच सकें।

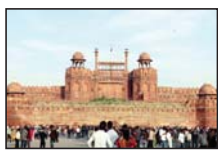

लश्कर की धमकी के बाद दिल्ली में किलेबंदी, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा सख्त

नई दिल्ली (जीएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली इस वक्त हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया जानकारी मिली है कि आतंकी संगठन दिल्ली की भीड़भाड़ वाली धार्मिक और ऐतिहासिक जगहों पर हमले की साजिश रच रहे हैं। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान का आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा भारत के बड़े शहरों में आईईडी धमाके करने की योजना बना रहा है। बताया जा रहा है कि 6 फरवरी को इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर हुए हमले का बदला लेने के लिए वे चांदनी चौक के एक मंदिर और अन्य प्रसिद्ध जगहों को निशाना बना सकते हैं। यह अलर्ट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि तीन महीने पहले लाल किले के पास एक धमाका हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान चली गई थी। किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूरे शहर में पहरा बढ़ा दिया है।

टैरिफ लगाना है तो संविधान का पालन करें

भारतीय-अमेरिकी वकील नील कत्याल की ट्रम्प को चुनौती

वाशिंगटन (जीएनएस)। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वकील नील कत्याल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जताया है। कत्याल का कहना है कि राष्ट्रपति अपनी मर्जी से ऐसे टैक्स नहीं थोप सकते और उन्हें इसके लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी लेनी चाहिए।

क्या है कानूनी विवाद?

हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने साफ किया कि टैक्स लगाने का मुख्य अधिकार संसद के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। इसके बावजूद ट्रंप ने सेक्शन 122 का हवाला देते हुए 15 प्रतिशत का नया ग्लोबल टैरिफ घोषित कर दिया। कत्याल ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि खुद सरकार के न्याय विभाग ने पहले अदालत में इसके उलट दलील दी थी। उन्होंने कहा, अगर ट्रंप का यह आइडिया इतना ही अच्छा है, तो उन्हें संसद को मनाने में कोई डर नहीं होना चाहिए। हमारे संविधान का तरीका यही है।

भारत पर क्या होगा असर?

ट्रंप के इस फैसले का सीधा असर भारत पर भी पड़ेगा। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार, भारत जैसे देश भी इस नए ग्लोबल टैरिफ के दायरे में आएंगे। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और अमेरिका व्यापार को लेकर एक समझौते पर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एंटी-अमेरिकन बताते हुए अपने फैसले को सही ठहराया है।

डोनाल्ड ट्रंप की नेटफ्लिक्स को सीधी चेतावनी, सुसान राइस को हटाओ वरना होगा बड़ा एक्शन!

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफ्लिक्स के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ट्रंप ने नेटफ्लिक्स से अपनी बोर्ड मेंबर सुसान राइस को तुरंत नौकरी से निकालने को कहा है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कंपनी ऐसा नहीं करती है, तो उसे इसके नतीजे भुगतने होंगे।
सुसान राइस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन कंपनियों और संगठनों को चेतावनी दी थी जो ट्रंप के प्रति वफादारी दिखा रहे हैं। राइस ने कहा कि जो कॉर्पोरेशन, न्यूज चैनल और लॉ फर्में ट्रंप के सामने घुटने टेक रहे हैं, उन्हें आने वाले समय में डेमोक्रेटिक पार्टी की सत्ता वापसी पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि अगर इन कंपनियों को लगता है कि डेमोक्रेट्स पुराने नियमों से चलेंगे, तो वे गलतफहमी में हैं।
सुसान राइस अमेरिका की एक प्रभावशाली नेता रही हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने जो बाइडेन के प्रशासन में भी काम किया है और 2023 में वे दोबारा नेटफ्लिक्स के बोर्ड में शामिल हुईं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में यह साफ नहीं किया है कि नेटफ्लिक्स को क्या सजा दी जाएगी। हालांकि, उनके प्रशासन के अधिकारी पहले भी कुछ नेटवर्क्स के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस छीनने की धमकी दे चुके हैं। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब नेटफ्लिक्स एक बड़ी बिजनेस डील (वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी को खरीदने की रेस) में शामिल है।

cmyk

मेगा/बृहद विधिक सहायता व सेवा शिविर का आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आज दिनांक 22 फरवरी 2026 दिन रविवार को प्रातः 10.00 बजे से पान्चजन्य प्रेक्षागृह, डैम्पीयर नगर, मथुरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा द्वारा की गई। इस अवसर पर राजेश चौधरी पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण मथुरा, चन्द्रप्रकाश सिंह जिलाधिकारी मथुरा, श्लोक कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा, अपर जिला जज रामप्रकाश पाण्डेय, बृजेश कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद, विजेन्द्र कुमार, सूर्यभान कुमार वर्मा अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे, श्रीमती अनीता सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा, डा0 पंकज वर्मा अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) मथुरा सहित अनेक न्यायिक, प्रशासनिक, पुलिस अधिकारीगण व चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। तदोपरान्त विभिन्न स्कूल की छात्राओं द्वारा मॉ सरस्वती वन्दना व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनमानस विशेषकर गरीब, बंचित, असहाय एवं जरूरतमंद वर्ग के 205 लाभार्थियों को प्रदान किया गया। जिनमें जिला विकास विभाग के 10, ग्रामीण विकास विभाग के 10, पंचायतीराज विभाग के 05, समाज कल्याण विभाग के 10, दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग के 15, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के 05, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के 10, जिला प्रोबेशन अधिकारी विभाग के 10, शिक्षा विभाग के 10, कौशल विकास विभाग के 10, राजकीय औद्योगिक एवं तकनीकी संस्थान के 10, कृषि एवं वानिकी विभाग के 05, कृषि उत्पादन मण्डी समिति के 05, बैंक सहायता ऋण योजना के 10, लघु कुटीर सूक्ष्म एवं माध्यम उद्यम विभाग के 05, श्रम कल्याण विभाग के 05, दुग्ध विभाग के 10, राजस्व विभाग के 10, डाक विभाग के 05, चिकित्सा विभाग के 10, वन विभाग के 05, जिला नगरीय विकास अधिकरण के 10, नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास अधिकरण के 10, विद्युत वितरण विभाग के 05, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग के 05 लाभार्थियों को सीधा लाभ प्रदान किया गया।

आयोजित मेगा शिविर में समस्त शासकीय योजनाओं से सम्बंधित भिन्न-भिन्न विभागों की अलग-अलग स्टॉल लगाई गई, जिसके माध्यम से समस्त विभागों द्वारा अपनी-अपनी स्टॉल के माध्यम से लाभार्थीयों को शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। जिला कारागार मथुरा द्वारा जेल में निरुद्ध बंदियों द्वारा निर्मित पोशाकें, धोती, गमछा, हर्बल गुलाल आदि से सम्बंधित स्टॉल लगाई गई। जनपद न्यायाधीश विकास कुमार, जिलाधिकारी चन्द्रप्रकाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा समस्त स्टॉल का भ्रमण किया गया व उनके द्वारा दी जा रही योजनाओं की जानकारी ली गई। विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी स्टॉल के माध्यम से आमजनमानस की समस्याओं का समाधान करते हुए उचित लाभ प्रदान कराया गया।

इस शिविर में आपदा प्रभावित, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को चाबी, उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाऐं, यंत्र व अन्य, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाडी कार्यकत्री, कन्या सुमंगला, प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, श्रमकार्ड, पी.एम. स्वनिधि, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, ट्राई साइकिल व श्रवण यंत्र आदि लाभ देकर जनसामान्य को लाभान्वित किया गया।

जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा उपस्थित जनता को जानकारी देते हुये बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गॉव-गॉव, शहर-शहर, गली-मौहल्लों एवं बस्तीयों में प्रत्येक व्यक्ति को विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों एवं शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजनमानस के अधिकारों और कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियॉ शिविरों के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं। जनपद न्यायाधीश द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई कि वे इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं और विधिक सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, यह शिविर न केवल जागरूकता बढाने का माध्यम बनेगा, बल्कि आम लोगों को न्याय और सरकारी सुविधाओं से सीधे जोडने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा की सचिव श्रीमती अनीता सिंह द्वारा बताया गया है कि मथुरा में आमजन को सरकारी योजनाओं और विधिक सहायता से जोडने के उद्देश्य से इस मेगा शिविर के माध्यम से एक विशेष पहल की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जा सकें। समाज के प्रत्येक व्यक्ति विशेषकर गरीब, कमजोर, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं श्रमिकों तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित की जा सके। हमारा प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में न्याय पाने से वंचित न रह जाये।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री प्रतिभा शर्मा, सदस्या, स्थायी लोक अदालत, मथुरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल, पराविधिक स्वयंसेवकगण, पेनल अधिवक्तागण व मध्यस्थगण व सेकड़ों की संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

वृन्दावन में नशे के खिलाफ पुलिस का बड़ा अभियान, तीन गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । वृन्दावन थाना क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए अभियुक्तों में हेमंत पुत्र राधाबल्लभ, राहुल पुत्र गोपीराम और जुगल पुत्र गिर्राज शामिल हैं। तलाशी के दौरान इनके कब्जे से लगभग एक किलो नशीला पदार्थ बरामद किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के तहत चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय पाण्डेय ने बताया कि वृन्दावन को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा, ताकि अवैध नशा कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। कार्रवाई टीम में उपनिरीक्षक शिवकुमार शर्मा, चन्द्रवीर सिंह, नारायण सिंह और सुनील कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी प्रमुख रूप से शामिल रहे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की गई है।

निरंकारियों ने चमकाए यमुना के 13 प्राचीन घाट

जनता यूनियन मथुरा । निरंकारी भक्त में न शिक्षा का गुमान, न जाति - वर्ण का अभिमान दिख रहा था और छोटे बड़े का भेद भुलाकर ब्रज के पौराणिक यमुना के घाटों की सफाई करने में उत्साहित होकर जुटे रहे। संत निरंकारी मिशन द्वारा अमृत परियोजना के तहत रविवार को निरंकारी अनुयाई लगातार तीन घंटे चले अभियान में भक्त स्वच्छ जल - स्वच्छ मन के भाव को संजोए हुए पूरी निष्ठा के साथ यमुना के घाटों को चमकाने में जुटे रहे। घाटों पर यमुना दर्शन को आए श्रद्धालु निरंकारी भक्तों के इस नेक कार्य को सराह रहे थे। निरंकारी मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण इसरानी ने बताया कि लगातार तीन घंटे तक तीन सौ से ज्यादा निरंकारी भक्तों ने समर्पण, भक्ति और सेवा का भाव लिए उत्साहित होकर यमुना के मुख्य स्थल विश्राम घाट से राजा घाट, प्रयाग घाट, दाऊजी घाट, श्रंगार घाट, श्याम घाट, रामघाट, तीनदुक घाट, बल्लभ घाट, चैंचाघाट, वसुदेव घाट, बंगाली घाट, कम्पू घाट के आसपास यमुना किनारे जमी काई, कीचड़, प्लास्टिक कचरा आदि गंदगी को साफ कर स्वच्छ जल स्वच्छ मन का संदेश लोगों को दिया।

मनरेगा में श्रमिकों को रोजगार देने में मथुरा प्रदेश में दूसरे स्थान पर

जनता यूनियन मथुरा । सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान मनरेगा में श्रमिकों को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने में जनपद की स्थिति बेहतर हुई है। इसमें प्रदेश के अन्य जनपदों की तुलना में मथुरा जनपद को दूसरा स्थान मिला है। उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक 19. 89 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन करने का लक्ष्य शासन से मिला था। जिसके तहत अब तक श्रमिकों की मांग के आधार पर 26. 53 लाख मानव दिवस रोजगार देने के लिए सृजन किये गए। उन्होंने बताया कि 100 दिन का रोजगार जनपद में 4200 परिवारों को मिला जबकि मनरेगा में कुल 56815 परिवार लाभांवित हुए।

होली पर हुड़दंग और गुंडागर्दी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

जनता यूनियन मथुरा । वृन्दावन में होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला अधिकारी ने वृंदावन में व्यापक सुरक्षा और व्यवस्थात्मक तैयारियां कर ली हैं। 24 तारीख से नगर में बाहरी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

प्रशासन की ओर से दस गुंडा दमन दल गठित किए गए हैं, जो नगर के चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। इसके साथ ही इंटेलिजेंस टीम को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या शरारती तत्वों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। नगर निगम को वृंदावन में साफ सफाई की व्यवस्था को चुस्त दुरस्त बनाए रखने के निर्देश दिए गए है।

प्रमुख व्यवस्थाओं में सात स्थानों पर चिकित्सा सुविधा, सिविल ड्रेस में महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी, मनचंलो की रोकथाम को एंटी रोमियो टीम सक्रिय रहेगी, नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वछता बनाये रखी जाएगी।

पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियो को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए गए है।

होली तक बांके बिहारी मंदिर वाली गलियों को वन-वे रखा जाएगा।

मिट्टी या मिलावटी रंग बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए सामान जब्त करने की कार्यवाही अमल. में लाई जाएगी। सिलेंडर या खतरनाक उपकरणों से होली खेलने वालों पर कार्यवाही होगी, हुड़दंग और गुंडागर्दी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान

जनता यूनियन मथुरा । आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, मथुरा के निर्देशानुसार आगामी त्योहार होली व रमजान के दृष्टिगत जनपद मथुरा में आम जनमानस को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह द्वारा गोवर्धन तहसील में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण किया गया तथा अवमानक होने के संदेह पर सोंख के पास जानमपट्टी से सोन पापड़ी और मिल्क केक के नमूने लिए गए ।

तहसील महावन में अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार एवं रीना शर्मा द्वारा छौली गांव स्थित खोया निर्माण इकाईयों का निरीक्षण किया गया। चार खोया निर्माण इकाईयों से खोए के एक-एक नमूनें संग्रहित किए गए तथा दो निर्माण इकाईयों में अस्वच्छकर परिस्थितियों में संग्रहित लगभग एक क्विंटल दूषित खोया नष्ट कराया गया और सुधार नोटिस जारी किए गए। राया कस्बा स्थित दूध डेयरी से पनीर का एक नमूना लिया गया तथा परिसर में गंदगी पाए जाने पर सुधार नोटिस दिया गया। उक्त संग्रहित सभी सात नमूनें जांच हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। विभाग द्वारा खाद्य कारोबारकर्ताओं को अपने प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थ की रेट लिस्ट लगाने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने, आस-पास स्वच्छता बनाये रखने एवं प्रतिष्ठानों पर ढक्कनदार डस्टबिन प्रयोग करने हेतु निर्देशित किया गया। यदि कोई खाद्य कारोबारकर्ता मिलावटी खाद्य/पेय पदार्थ विक्रय करते पाया जाता है तो उसके विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार सुसंगत धाराओं में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में प्रसिद्ध लट्ठमार हुरंगा एवं शोभायात्रा 27 फरवरी

जनता यूनियन मथुरा । प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में प्रसिद्ध लट्ठमार हुरंगा एवं शोभायात्रा शनिवार एकादशी 27 फरवरी 2026 शुक्रवार को होगा उक्त निर्णय मंदिर प्रांगण आयोजित बैठक में लिया गया यह हुरंगा हर वर्ष एकादशी पर आयोजित किया जाता रहा है ठाकुर जी की शोभा यात्रा दोपहर 1:00 बजे विश्राम घाट स्थित गताश्रम नारायण मंदिर से दोपहर 1:00 बजे प्रारंभ होगी जिसमें कई झांकियां, बैंड बाजे, घुड़सवार, ढोल तासे, झाकीय भजन गायक कलाकार, हुरियारे की टोली भक्तों के गुलाल लगाते हुए शोभायात्रा में साथ निकलेंगे शोभा यात्रा की व्यवस्था हेतु एकादशी मंदिर सेवायत जगदीश गोस्वामी गौरव स्वामी भगवत स्वरूप गोस्वामी जगदीश प्रसाद गोस्वामी को दी गई है कमेटी अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा ने भक्तों से अपील की अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर शोभा यात्रा को सफल बनाएं बैठक में प्रमुख रूप से सुरेश अग्रवाल नारायण प्रसाद शर्मा सोहनलाल शर्मा मनमोहन सर्राफ, महेश गोयल दिलीप पांडे योगेंद्र अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहिए : विश्वचैतन्य महाराज

जनता यूनियन मथुरा । कदंब विहार कॉलोनी के दयानंद पार्क में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि गुरुकार्षिण विश्वचैतन्य जी महाराज गुरुकार्षिण रमणरेती आश्रम ने कहा है कि यदि मानव जीवन मिला है तो सभी से प्रेम करो। किसी से कोई भेद मत करो। संकल्प लो कि जो हो गया सो हो गया। सभी से प्रेम करो, क्योंकि यह संसार रूपी बगीचा ईश्वर ने बनाया है। भेदभाव रखोगे तो दुःखी रहोगे। कण- कण में ईश्वर देखोगे तो सुखी रहोगे। असहाय की मदद करें।

उन्होंने परिवार एकता और समाज एकता पर प्रकाश डाला। हम वेद, पुराण और भागवत कथाओं में जो सुनते हैं उनका अपने जीवन में पालन करो। मनुष्य की सेवा हो या माता- पिता की सेवा हो या पशु- पक्षियों की सेवा हो वह सीधे नारायण की सेवा है। सभी में परमात्मा को देखो यदि सभी में परमात्मा दिखाई देगा तो किसी से बैर नहीं होगा। अपना धर्म कितना भी छोटा क्यों न हो उसे नहीं छोड़ना है और कोई धर्म कितना भी बड़ा क्यों न हो उसे भी नहीं अपनाना है।

मुख्य वक्ता प्रदीप अग्रवाल विभाग सह संपर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा है आरएसएस पर कई बार प्रतिबंध लगाया गया है। हर बार संघ पहले से और मजबूत होकर उभरा हैं। उन्होंने संघ पंच परिवर्तन और संघ की सौ वर्ष की यात्रा पर और हिंदू सम्मेलन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदुओं से संगठित होने का आव्हान किया। मीरा चौधरी एवं डॉ0 अलका लांबा ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और नारी तू नारायणी के भाव पर प्रकाश डाला।

तीर्थ पुरोहित महासंघ ने सांसद हेमा मालिनी से यमुना संरक्षण पर चर्चा की

जनता यूनियन मथुरा । अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल ब्रज प्रांत अध्यक्ष लाल जी भाई शास्त्री के नेतृत्व में सांसद हेमा मालिनी से उनके आवास पर मिला। बैठक में यमुना जल शुद्धिकरण और मथुरा-वृंदावन के घाटों के संरक्षण पर चर्चा हुई और महासंघ ने सांसद को लिखित ज्ञापन भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्तमान में यमुना तट पर किए जा रहे कुछ कार्य पूर्व में निर्मित घाटों को तोड़कर नए निर्माण तक सीमित हैं, जिससे न केवल श्रम और धन का अनावश्यक व्यय हो रहा है, बल्कि पुराने संरक्षित घाटों का नुकसान भी हो रहा है।

ब्रज प्रांत महामंत्री पं. यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने कहा कि पुण्य तीर्थ विश्राम घाट की स्थिति वर्तमान में गंभीर है। यमुना की सफाई के प्रयास के बावजूद, रात में नाले सीधे खोल दिए जाते हैं जिससे कचरा यमुना में वापस पहुँच जाता है।

ब्रजमंडल महामंत्री भूपेंद्र चतुर्वेदी ने सुझाव दिया कि यदि इन नालों को बंद कर यमुना के समानांतर एक समर्पित सीवर लाइन बनाई जाए, तो जल को वास्तविक रूप से स्वच्छ रखा जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि पूर्व में निर्मित घाटों का स्वतंत्र तकनीकी एवं गुणवत्ता ऑडिट कराया जाए और स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सेवायतों, पुरोहितों एवं आश्रमों से विचार-विमर्श कर निर्णय लिया जाए।

गुजरात से आए समाजसेवी राजकुमार पाठक ने कहा कि गुजरात में सरकार द्वारा बनाए गए रिवर फ्रंट की तरह मथुरा और वृंदावन में भी यमुना तट का विकास किया जा सकता है।

सांसद हेमा मालिनी ने बैठक में आश्वस्त किया कि सरकार यमुना जल के संरक्षण और स्वच्छता के प्रयासों में लगातार संलग्न है और जल्द ही ठोस निर्णय लिए जाएंगे, जिससे मथुरा-वृंदावन के विकास और यमुना संरक्षण के कामों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा सके।

मथुरा रिफाइनरी में आयोजित हुआ 40वां फ्लावर शो

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा रिफाइनरी अपनी हरित व स्वच्छ छवि के लिए एक विषेष पहचान रखती है, और इस पहचान को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील भी रहती है। इसी श्रृंख्ला में मथुरा रिफाइनरी द्वारा 21-22 फरवरी 2026 को रिफाइनरी नगर स्थित नगर चौपाल में 40वां वार्षिक फ्लावर शो आयोजित किया गया।

दो दिवसीय फ्लावर शो की शोभा बढ़ाते हुए मथुरा की माननीय सांसद श्रीमती हेमा मालिनी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मथुरा रिफाइनरी के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि रिफाइनरी तकनीक, पर्यावरण और समाज के बीच सही सामंजस्य के साथ कार्य कर रही है और मथुरा क्षेत्र की शान है । उन्होंने फ्लॉवर शो का आनंद लिया और सभी को प्रकृति प्रेम के लिए प्रोत्साहित किया।

उद्घाटन के दौरान मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल और रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ भारी संख्या में टाउनशिप निवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्लोक कुमार, आईपीएस, एस एस पी, मथुरा ने भी शिरकत की और रिफाइनरी के प्रयासों की प्रशंसा की।

मथुरा रिफाइनरी में सन 1986 से लगातार फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है और इसके 40वें संस्करण के दौरान फ्लावरिंग प्लांट्स, डेकोरेटिव प्लांट्स और कट फ्लावर का उपयोग किया। फूलों से बनीं विभिन्न कलाकृतियां लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही। फ्लावर शो के दौरान टाउनशिप के सैकड़ों निवासियों ने विभिन्न कैटेगरी में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। दो दिवसीय आयोजन में टाउनशिप व आस पास के निवासियों ने फ्लावर शो का आनंद लिया और प्रकृति को सराहा और फ्लावर शो में बनी विभिन्न आकृतियों के सामने सेल्फी खींच कर अपने लिए सुंदर व मनमोहक यादें सजाई।

मथुरा की बेटियों का रिंग में दबदबा, दीपिका ने जीता गोल्ड

जनता यूनियन मथुरा । भारत सरकार के खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत महिलाओं को खेल जगत में सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित च्अस्मिता महिला किकबॉक्सिंग लीगज में मथुरा की बेटियों ने अपने शानदार कौशल और अदम्य साहस का परिचय दिया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय, किनारई में आयोजित इस प्रतियोगिता में महिला एथलीट्स ने रिंग में अपनी ताकत और तकनीक का लोहा मनवाते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। शानदार प्रदर्शन करते हुए। दीपिका कुमारी ने अपनी श्रेणी में प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। योगिता और राधिका ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किए। अन्य संवर्गों में भी विभिन्न भार वर्गों में स्थानीय बालिकाओं ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अरविंद चित्तौड़िया (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद व राष्ट्रीय महासचिव, रालोद खेल प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सहसंयोजक सविधान रक्षक सेना) उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रासरूट लेवल पर महिला खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए तैयार करने में मील का पत्थर साबित होंगी। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र पाल सिंह और कराटे एसोसिएशन ऑफ मथुरा के जनरल सेक्रेटरी प्रेमपाल सिंह ने उपस्थित होकर बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में करण कुमार (संयोजक) की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर सुशीला मैम, गीता मैम, प्रेमवीर जी और अशफाक खान ने भी खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते हुए उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अस्मिता लीग का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि बेटियों के भीतर उस आत्मविश्वास को जगाना है जिससे वे हर क्षेत्र में अग्रणी बन सकें।

सात लोगों की अकाल मौत

झांसी जयूसं। अलग - अलग स्थानों युवती समेत सात लोगों की मौत हो गई। इनमें युवती समेत तीन लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। उधर, सड़क किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला है।

प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्वालटोली निवासी सुनील कुमार परिवार समेत रहता था। बीती शाम सुनील कुमार ने खाना खाया और कमरे में आराम करने चला गया था। रविवार की सुबह जब वह सोकर कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने सुनील से दरवाजा खोलने के लिए आवाज दी मगर कोई जवाब नहीं मिला। बाद में दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। इसकी जानकारी लगते ही आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। वहीं नवाबाद थाना क्षेत्र के झोकनबाग में रहने वाली संजना वर्मा ने कतिपय कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं प्रेमनगर थाना क्षेत्र के नराईपुरा निवासी दिलीप सिंह गौड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

उधर, शिवपुरी के थाना मायापुर के ग्राम मुहासा निवासी युधिष्ठर घर के बाहर टहल रहा था, तभी पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने उसकी पिटाई कर दी जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

जालौन के आटा क्षेत्र में रहने वाले भागीरथ को बेहोशी हालात में उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके अलावा नवाबाद थाना क्षेत्र में दो अज्ञात व्यक्तियों की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

पचास घंटे बाद मिला बुजुर्ग का शव

डोंगरी डैम में डूब गया था किसान

झाँसी जयूसं। रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी डैम में पचास घंटे के बाद किसान के शव को बरामद कर लिया गया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम रमपुरा निवासी हरदास 20 फरवरी को सरसों की कटाई के लिए ट्यूब के सहारे बांध में लगभग 500 मीटर अंदर गए थे।

टापू से करीब 200 मीटर पहले ही ट्यूब से हवा निकल गई, जिससे वह पानी में डूब गए। पास खड़े उनके पड़ोसियों ने हरदास को डूबते हुए देखा, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए। उन्होंने तत्काल रक्सा पुलिस को घटना की सूचना दी। रक्सा पुलिस मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू की। 21 फरवरी से एसडीआरएफ की टीम भी इस अभियान में जुट गई थी। हरदास का शव डैम से बरामद किया गया। रक्सा थाना प्रभारी रुपेश कुमार ने बताया कि घटना की पूरी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है।

साले, पत्नी के संग किया था बड़े भाई का कत्ल

साले व पत्नी की हो रही है तलाश, लुकेशन का पता लगा रही है पुलिस

झांसी जयूसं। साले, पत्नी के साथ मिलकर छोटे भाई ने अपने बड़े भाई का कत्ल कर दिया है। यह बात छोटे भाई ने पूछताछ के दौरान स्वीकार की है। उसे अदालत में पेशकर जेल भेज दिया है। प्रेमनगर पुलिस ने आरोपी मसारिक समेत उसकी पत्नी मुस्कान एवं साले तालिब के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुस्कान एवं तालिब हत्या के बाद से ही फरार है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। मालूम हो कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिहारीपुरा खड़इया मोहल्ले में तारिक बेग अपने छोटे भाई मसारिक बेग के साथ रहता था। तारिक बेग अविवाहित था। तारिक की बेग के पिता अकील की मौत हो गई तो मसारिक को बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई थी। बताते हैं कि 15 फरवरी को मसारिक बेग ने प्रेमनगर थाने की पुलिस को सूचना दी कि उसका बड़ा भाई तारिक बेग 9/10 फरवरी की रात से गायब है। इस आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरु कर दी थी। बताते हैं कि कचहरी के पास रहने वाले मामा सलीम ने पुलिस को बताया कि तारिक व मसारिक में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद हुआ था। दोनों में बातचीत होना बंद हो गई थी। मामा सलीम ने छोटे भांजे मसारिक बेग पर तारिक की हत्या करने का संदेह जताया था। पूछताछ के बाद उसने अपने साले, पत्नी के साथ मिलकर बड़े भाई की हत्या करने की बात स्वीकार की थी। हालांकि पुलिस ने शव को घर से बरामद कर लिया था।

इस संबंध में एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति का कहना है कि तारिक उसके छोटे भाई मसारिक एवं पत्नी मुस्कान के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस खंगालने में जुटी है। इसके लिए पुलिस ने तीनों के सीडीआर निकाले हैं। पुलिस को उम्मीद है कि सीडीआर घटना के खुलासे तक लेकर जाएगी। पुलिस को शुरू से मसारिक के साले तालिब और मुस्कान की भूमिका पर शक है। दोनों भी घटना के दिन से ही घर से लापता है। उनके मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ है। जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

ईको कार से रेलवे पटरी चुराते एक गिरफ्तार, दो फरार

हजारों रुपये कीमत की रेलवे संपत्ति बरामद

झांसी जयूसं। एक बार से रेलवे पटरी चोरी की गैंग सक्रिय हो गई है। गैंग ने अब रेलवे पटरी चोरी करने के लिए ईको कार का प्रयोग करना शुरु कर दिया है। बीती रात वीजीएलजे आरपीएफ व क्राइम विंग की टीम ने ईको कार से रेलवे पटरी चुराकर भाग रहे एक युवक को मय वाहन समेत पकड़ लिया, जबकि इस गैंग का मास्टर माइंड फरार हो गया। पकड़े गए युवक के पास से हजारों रुपये कीमत की रेलवे संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया। रेलवे सुरक्षा बल की वीजीएलजे व क्राइम विंग की टीम गश्त कर रहे थे, तभी सूचना मिली कि नगरा साइट में काठ के पुल के पास एक युवक खड़ा है। युवक के पास ईको कार है। इसमें रेलवे पटरी भरी हुई है। इस सूचना पर गई टीम ने घेराबंदी कर युवक को ईको कार समेत पकड़ लिया। आरपीएफ थाना लाकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान रेलवे पटरी चोरी करने की बात स्वीकार की है।

रेल सुरक्षा बल के मुताबिक बड़ागांव थाना क्षेत्र के गढ़मऊ के पास स्थित हाजीपुरा में रहने वाले सोनू परिहार को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास ईको कार क्रमांक (यूपी 93सीएच - 6566), रेलवे पटरी के टुकड़े आदि सामग्री बरामद की है। इसकी कीमत हजारों रुपया है। अभियुक्त ने बताया कि उक्त माल नगरा साइड मे काठ के पुल के पास रेलवे मैटेरियल के ढ़ेर से रेल संपत्ति रेलवे लाइन के कुल 06 टुकड़े चोरी किए हैं। इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी स्टेशन पोस्ट विकास पंचोली ने बताया कि मौके से भागे दो आरोपियों की तलाश में आरपीएफ छापे की कार्रवाई कर रही है।

इस टीम को मिली है सफलता

आरपीएफ पोस्ट वीजीएलजे के उपनिरीक्षक हरिओम सिंह सिकरवार, आरक्षी संतोष कुमार, आरक्षी हेमंत कुमार, क्राइम विंग के सहायक उपनिरीक्षक नवीन कुमार, आरक्षी गुरमीत सिंह शामिल रहे है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्तार गैंग से कंपनी के जुड़ाव को लेकर जांच शुरू

झांसी जयूसं। मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़े कनेक्शनों की जांच संभागीय परिवहन कार्यालय में शुरू हो गई है। शासन के निर्देश पर डीएल बनाने वाली आउटसोर्स कंपनी की कुंडली खंगालने के लिए कमेटी बनाई गई है। कमेटी कागजों की पड़ताल कर रही है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. सुजीत सिंह ने बताया कि डीएल बनाने का काम इंफोटेक केन नामक फर्म को दिया गया है। कंपनी के तार मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़े एक व्यक्ति से होने की बात सामने आई थी। इसके बाद, शासन स्तर पर खलबली मच गई। इस कंपनी के पास कई अन्य जिलों में भी डीएल बनाने का काम है। यह बात शासन तक पहुंच गई है। इसके बाद शासन ने जांच करने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने जांच के लिए पत्र भेजा था।

चिरगांव निवासी युवक कांग्रेस पदाधिकारी को दिल्ली पुलिस ने उठाया

झांसी जयूसं। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हंगामे के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। इस प्रकरण में पहले ही चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी थी। शनिवार में देर रात दिल्ली पुलिस ने चिरगांव निवासी प्रदुम्न ठाकुर को भी हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार, प्रदुम्न ठाकुर को झांसी के इलाइट चौराहे के पास रात लगभग डेढ़ बजे झांसी एवं दिल्ली पुलिस की टीम ने उठाया। इसके बाद उन्हें पहले नवाबाद थाने ले जाया गया रविवार को चिरगांव थाने लाया गया। स्थानीय पुलिस को सूचना देने की औपचारिकता पूरी करने के बाद दिल्ली पुलिस उन्हें अपने साथ दिल्ली ले गई। बताया जा रहा है कि प्रदुम्न ठाकुर उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस संगठन में महासचिव (मध्य) पद पर कार्यरत हैं। इनके मोबाइल को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

रेल संरक्षा व ट्रैक अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर विशेष बल

झांसी जयूसं। झाँसी मंडल में रेल संरक्षा एवं ट्रैक अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन में ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थिक वेब स्विच लगाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। टीडब्ल्यूएस के स्थापना से ट्रैक की संरक्षा, स्थिरता तथा संचालन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हो रहा है। झाँसी मंडल के विभिन्न रेल खंडों में जनवरी 2026 माह के दौरान इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वीरांगन लक्ष्मीबाई झांसी ङ्कमानिकपुर , ललितपुर- खजुराहो एवं वीरांगन लक्ष्मीबाई झांसी-खजुराहो खंडों में कुल 09 थिक वेब स्विच स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा सरसोकी में 03 तथा चौंराह में 01, इस प्रकार कुल 04 थिक वेब स्विच का स्थापना कार्य भी माह के दौरान सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। थिक वेब स्विच लगाने का मुख्य उद्देश्य टर्नआउट पर ट्रेनों के संचालन को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गति के अनुकूल बनाना है। इस आधुनिक तकनीक के प्रयोग से टर्नआउट पर झटकों में कमी आती है तथा ट्रैक पर पॉइंट बदलने के दौरान यात्रियों को झटका महसूस नहीं होता। साथ ही यह प्रणाली ट्रैक की आयु बढ़ाने एवं अनुरक्षण कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में भी सहायक है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि झाँसी मंडल में संरक्षा सर्वोपरि है तथा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से ट्रैक अवसंरचना को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। थिक वेब स्विच की स्थापना से टर्नआउट संबंधी विफलताओं में कमी आती है, रखरखाव व्यय कम होता है तथा रेल संचालन अधिक विश्वसनीय बनता है। यह उन्नत प्रणाली भविष्य में उच्च गति एवं सुरक्षित रेल संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। झाँसी मंडल द्वारा संरक्षा उन्मुख कार्यों को निर्धारित योजना के अनुरूप प्राथमिकता के साथ संपन्न किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुचारु एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बुविवि में श्रीराम, पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आज से

झांसी जयूसं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कला संकाय के हिंदी विभाग, महिला अध्ययन केंद्र तथा बुन्देली विरासत दीर्घा के संयुक्त तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से बुन्देलखण्ड के साहित्य, समाज और संस्कृति में श्रीराम-विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 23-24 फरवरी 2026 को हो रहा है। सोमवार प्रातः 11 बजे गाँधी सभागार में कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय की अध्यक्षता में उद्घाटन सत्र होगा, जिसमें पद्मश्री विजय कुमार - पूर्व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र., नार्वे से प्रवासी सारस्वत श्री शरद आलोक एवं डॉ. विद्यासागर उपाध्याय बीज वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी संयोजक प्रो. पुनीत बिसारिया ने बताया कि विभिन्न तकनीकी सत्रों में 100 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत होंगे, जिसमें चित्रकूट, कोंच की रामलीलाओं का प्रदर्शन एवं अंतरराष्ट्रीय आभासी सत्र (बुल्गारिया, दुबई, कुवैत, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, सूरीनाम से विद्वान) प्रमुख आकर्षण रहेंगे। सोमवार सायं गाँधी सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम में फाग, लोकनृत्य, कत्थक, रामलीला मंचन एवं ओरछा नृत्य नाटिका होगी, जबकि मंगलवार को तीन समांतर सत्रों के बाद अपराह्न 3:30 बजे वृंदावनलाल वर्मा सभागार में समापन होगा। प्रो. बिसारिया ने प्रतिभागियों को ऑफलाइन पंजीकरण अनिवार्य बताते हुए समयानुशासन, भोजन कूपन एवंरामभक्त लेखक सम्मान की जानकारी दी।

स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बीपी व लेडी बीपी का जन्म दिवस मनाया गया

झांसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड झांसी मंडल द्वारा जिला प्रशिक्षण केन्द्र में स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बीपी एवं लेडी बी पी का जन्म दिवस विचार दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मुख्य आयुक्त -स्काउट एवं गाइड , व अपर मंडल रेल प्रबंधक-इंफ्रा),झांसी पी पी शर्मा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

वसीम अहमद मंसूरी के द्वारा उपस्थित लोगों को विचार दिवस के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में विचार दिवस के महत्व एवं प्रासंगिकता के बारे में बताते हुए स्काउट एवं गाइड द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में निरंतर सामाजिक एवं सुधारात्मक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहने का आवाहन किया गया।

इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त - स्काउट, प्रदीप कुमार पाण्डेय, जिला संगठन आयुक्त -गाइड, श्रीमती नीतू श्रीवास्तव, जिला सचिव विवेक पुरवार, जिला प्रशिक्षण आयुक्त -स्काउट, निर्मल सिंह ,प्रशिक्षण सलाहकार -कब दिलीप बोरकर, प्रशिक्षण सलाहकार -स्काउट, शैलेंद्र दुबे , प्रशिक्षण सलाहकार -रोवर, दिनेश कुशवाहा, जिला भंडारी रवीश शर्मा ,जिला मीडिया प्रभारी सुभाष खत्री, के साथ मण्डल के ग्रुप लीडर , यूनिट लीडर सहित 35 सदस्यों ने प्रतिभाग किया ।

12 नव दंपतियों ने रचा जीवन का पावन अध्याय

झाँसी जयूसं। बाल्मीकि समाज सेवा समिति, झांसी द्वारा आयोजित आठवें सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन में सामाजिक समरसता, सादगी और संस्कारों का अनुपम संगम देखने को मिला, जहाँ 12 नव दंपतियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य सात फेरे लेकर अपने दांपत्य जीवन की नई यात्रा प्रारंभ की। दूल्हों की बारात नगर निगम से प्रारंभ होकर एलाइट चौराहा और जीवन शाह तिराहा होते हुए महाराजा गंगाधर राव कलामंच - मुक्ताकाशी मंच, किला रोड, झांसी पहुँची, जहाँ विवाह की सभी रस्में विधि-विधान से संपन्न हुईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने हरी झंडी दिखाकर समारोह का शुभारंभ किया तथा नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह में सदर विधायक रवि शर्मा एवं संतराम पेंटर उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि दो आत्माओं, दो परिवारों और दो संस्कृतियों का पवित्र मिलन है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में विवाह एक संस्कार है, जो जीवन को मर्यादा, जिम्मेदारी और समर्पण का बोध कराता है। यह आयोजन केवल 12 जोड़ों का विवाह नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने नवदंपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि दांपत्य जीवन की वास्तविक सुंदरता आपसी विश्वास, संवाद, त्याग और सम्मान में निहित होती है। जीवन में सुख-दुख, उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, किंतु यदि साथ में धैर्य और विश्वास हो तो हर चुनौती अवसर में परिवर्तित हो जाती है। आप दोनों एक-दूसरे के पूरक बनकर परिवार और समाज के लिए आदर्श स्थापित करें। कार्यक्रम में मुख्य संस्थापक रमेशचंद्र महर्षि, कार्यक्रम अध्यक्ष सरमन महांत, मुख्य संयोजक अनिल वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष शेखर नलवंशी, महामंत्री अमित नखारे, संरक्षक गुरु प्रसाद धारू व कल्लू भारती, वरिष्ठ -उपाध्यक्ष, महाराज सिंह, इंद्रजीत , विमल मेहरौलिया, राहुल चंडारिया, अरुण भारती, वीरू, दीपक चावरे, हीख सिंह व सिकन्दर चंडारिया, महासचिव अरविन्द , सचिन कुमार कागरे, सागर नखारे महंत, सह कोषाध्यक्ष शशी कांत सिगोते, आय-व्यय प्रभारी नरेंद्र चोटेले ,प्रभारी बरुआसागर विशाल पारोचे, सचिव सुशील महर्षि व संदीप नाहर, मंत्री शिव कुमार महर्षि, संगठन मंत्री विशाल सिहोते, आदित्य कांजेरिया व निहाल पवार, मीडिया प्रभारी दयाशंकर खजांची, सौरभ चंडारिया व रंजीत कंजोसिया, विशेष सलाहकार एन.पी.के. श्रीवास्तव, प्रचार मंत्री गौरव चंडारिया, आकाश चंडारिया, रोहित पेहाल व देव चौहान, राजू बग्गन, प्रभारी मऊरानीपुर सोम कुमार, प्रभारी साधू राम भारती, राजीव काजेरिया, दीपक नाहर,, संजय , प्रभारी शिवपुरी राजेश गैंचर, मिथुन मेवाती, मिथुन चंद्रिया व रंजीत चांधारिया,कपिल करोसिया व विशाल महरौलिया तथा विजय करोसिया सहित समस्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। आयोजन के अंत में नव दंपतियों को आशीर्वाद एवं उपहार प्रदान किए गए ।

ग्लोबल विजडम इंटरनेशनल स्कूल में भव्य वार्षिक उत्सव प्रगति 2026 द इवोल्यूशन का आयोजन

झाँसी जयूसं। ग्लोबल विजडम इंटरनेशनल स्कूल में भव्य वार्षिक उत्सव च्प्रगति 2026 द इवोल्यूशनज्ज का आयोजन हुआ। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ बाबूलाल तिवारी, एवं विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुधीर सिंह, उ0प्र0 को-आपरेटिव बैंक के डायरेक्टर आशीष उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री हेमंत परिहार भाजपा नेता श्रेष्ठ साहू, कर्नल एस0 के0 सिंह, एडवोकेट अनिल पाठक, जीआईसी इंटर कॉलेज के पूर्व उप प्रधानाचार्य आलोक सान्डिल्य, अखिल भारत पूर्व सैनिक सेवा परिषद झांसी के सचिव देवेश खरे , उपाध्यक्ष राजवीर सिंह सेंगर, उपाध्यक्ष एस पी त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष के एम पाण्ये , एरिया प्रभारी एम एच निगम आदि उपस्थित रहे सभी ने मिलकर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत शानदार सांस्कृतिक नृत्य और संगीत कार्यक्रम ने सभी दर्शकों का दिल छू लिया। बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिससे पूरा वातावरण उल्लसित हो गया। संगीत और नृत्य के अलावा विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता का परिचय भी दिया। इसके बाद, पुरस्कार वितरण समारोह हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। इस समारोह में छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित थे, जो अपने बच्चों की सफलता पर गर्व महसूस कर रहे थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा, च्यह आयोजन शिक्षा और संस्कृति का सुंदर मिश्रण है। हम सभी को मिलकर बच्चों को एक अच्छा नागरिक और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इस शानदार कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षको का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कारों की भी आवश्यकता पर जोर दिया गया स्कूल के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर कृपेन्द्र सिंह सेंगर ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल एकेडमिक सफलता नहीं, बल्कि बच्चों को समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इस वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में स्कूल की चेयरपर्सन सारिका सेंगर भी विशेष रूप से उपस्थित रही।

कार्यक्रम का संचालन स्कूल को-ऑर्डिनेटर उमराह शायमा ने किया अंत में सभी का आभार व्यक्त मैनेजिंग डायरेक्टर कृपेन्द्र सिंह सेंगर ने किया।

शांति सद्भाव व आपसी सौहार्द के साथ बनाएं होली रमजान का त्यौहार

झांसी जयूसं। रमजान होली एवं भाई दूज के त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए थाना पूँछ में प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पांडे की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। इस मौके पर थाना प्रभारी पूछ वेद प्रकाश पांडे ने कहा कि उक्त त्योहार पर शांति सद्भाव एवं आपसी सौहार्द के साथ सभी लोग गले मिलकर त्योहार मनाएं जिस स्थान पर होलिका दहन होता चला आया हो इस परंपरा को कायम रखें नई परंपरा को कोई जन्म ना दे रमजान एवं रंग गुलाल के त्योहारों को शांति प्रेम सद्भाव एवं सौहार्द के साथ मनाएं यदि कोई असामाजिक तत्व शासन प्रशासन की ओर से दिए गए दिशा निर्देशों की अवहेलना करता पाया गया उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदय लुहारी ने कहा कि होली रमजान भाई दूज के त्योहारों को सभी लोग सामाजिक सौहार्द के साथ बनाएं। पीस कमेटी की बैठक में सुरेश यादव पूर्व प्रधान बडेरा, राम राजा राजपूत, वेद प्रकाश वर्मा प्रधान वरोदा, दिनेश यादव प्रधान खिल्ली, जगदीश आदि मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दिलाई गई शपथ

झांसी जयूसं। शिव विवाह वाटिका शिवाजी नगर एक विवाह घर में कलचुरि कलार सर्ववर्गीय समाज झांसी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह किया गया। विशिष्ट अतिथि शालिकराम राय अध्यक्ष कलचुरि महासभा-ललितपुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र राय -मऊरानीपुर ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ कलचुरि समाज के आराध्य भगवान राज राजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। राजेश राय ने अतिथियों का स्वागत गीत गाकर किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष भारत भूषण राय को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात अध्यक्ष ने समस्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई इसके पश्चात कार्यकारिणी के सदस्यों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक राम कृपाल राय, कृष्ण मुरारी राय, राधे राय, रामबाबू महाजन, डॉ. आर एन राय, पुष्पेंद्र राय, चंद्र प्रकाश राय, दशरथ प्रसाद राय, निवर्तमान अध्यक्ष ह्रदेश राय, चंद्र मोहन राय, अशोक राय, महेश राय, रामकिशोर राय, केशव शिवहरे, नितेंद्र राय फौजी, पृथ्वीराज राय -ललितपुर, अतुल राय, राजेश राय, विशाल राय, राजेश राय, सुभाष राय -एड रज्जन बाबू राय, आनंद जायसवाल, डॉ. अमित राय, उमेश राय, मुकेश राय, पुरुषोत्तम राय, श्याम सुंदर शिवहरे, प्रदीप राय, सुनील राय, प्रमोद राय, सुरेंद्र राय, संतोष राय, सूरज राय, अनिल राय, विनोद राय, सोमेश शिवहरे, कृष्ण कुमार शिवहरे, रामेश्वर गुप्ता, रामकुमार महाजन, अर्पित राय, मनोज राय, रामराज शिवहरे, विकास राय, विजय राय, राम नरेश राय, बृजेंद्र राय, दीपक राय, विवेक राय, अजय राय, रूपेंद्र राय, हेमंत राय, रमेश राय, दिनेश शिवहरे, संजीव राय, रविंद्र राय, मुरली राय अमित राय, संतोष महाजन, वीरेंद्र राय, जयप्रकाश महाजन, अंशुल राय, अलख राय, नरेश राय, नरेंद्र राय, जितेंद्र राय, रवि राय, शुभम राय, चंद्रभान शिवहरे, कृष्णकांत राय, अंचल राय, प्रिंस राय, हर्ष राय, आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र राय एवं राहुल शिवहरे ने एवं आभार हेमंत राय ने व्यक्त किया।

सर्दियों में मखाने और दूध का मिश्रण अमृत के समान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। रात के समय शरीर खुद को फिल्टर करने का काम करता है, या साधारण भाषा में कहें तो रात के समय शरीर के सभी अंग आराम करते हैं। आयुर्वेद में भी माना गया है कि देर रात के बाद कुछ खाना नहीं चाहिए, क्योंकि यह शरीर का रिपेयरिंग टाइम होता है, लेकिन मखाने और दूध का मिश्रण ऐसा अमृत है, जिसे रात को लेने से शरीर और मस्तिष्क दोनों को बल प्राप्त होता है।

मन और तन दोनों को रखता है शांत

भरपूर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन व एंटीऑक्सीडेंट

सर्दियों में मखाने और दूध का मिश्रण अमृत के समान होता है, जो शरीर को पोषण और मन को शांति देता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो तनाव को कम करते हैं और अच्छी नींद लाने में सहायक होते हैं, जबकि दूध मखाने के गुण को शरीर में गहराई तक पहुंचाता है। इसे तैयार करने के लिए रात के समय सोने से एक घंटे पहले दूध में एक मुट्ठी मखाने डालकर उबाल लें और उसमें एक हरी इलायची भी डालें। मिश्रण को कुछ देर तक ऐसे ही छोड़ दें और गुनगुना होने पर सेवन करें। ये मन और तन दोनों को अनगिनत लाभ देगा।

मखाने में शरीर की सूजन को कम करने के गुण होते हैं, जो रात के समय शरीर को रिपेयर करते हैं। इस मिश्रण के सेवन के बहुत सारे लाभ हैं। यदि हड्डियों और जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है, तो इसके सेवन से हड्डियों को मजबूती मिलती है और लचीलापन भी बढ़ता है।

मखाने और दूध का मिश्रण मानसिक शांति और नींद लाने में सहायक है। यह मिश्रण मानसिक तनाव को कम करता है और नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन को बनने में मदद करता है। इससे रात के समय गहरी और अच्छी नींद आती है। आयुर्वेद में मखाने और दूध के मिश्रण को वृष्य औषधि माना जाता है, जो यौन शक्ति को बढ़ाने में मदद करती है और शरीर की कमजोरी को भी दूर करती है। जैसे, अगर काम की वजह से आंखें भारी रहती हैं, तो यह मिश्रण आंखों की थकान को दूर करता है। स्तनपान कराने वाली माता के लिए ये मिश्रण अमृत है। ये मां और शिशु दोनों का पोषण करता है। ये मां के शरीर में प्राकृतिक तरीके से दूध का उत्पादन बढ़ाता है और कैल्शियम की कमी को पूरा करती है।

पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक है मोटा अनाज रागी

कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, फाइबर और विटामिन-बी की मात्रा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। क्या आपको पूरे दिन शरीर में कमजोरी महसूस होती है? अपच की शिकायत से भी परेशान हैं तो छोटे-छोटे दानों वाला सुपरफूड यानी रागी (फिंगर मिलेट) आपके लिए हैं।

इस मोटे अनाज को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह देता है। रागी (फिंगर मिलेट) एक अत्यंत पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक मोटा अनाज है। रागी में कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, फाइबर और विटामिन-बी की भरपूर मात्रा होती है। सबसे खास बात है कि यह पूरी तरह ग्लूटन-फ्री है, इसलिए गेहूं से एलर्जी वाले लोग भी बेफिक्र होकर खा सकते हैं।

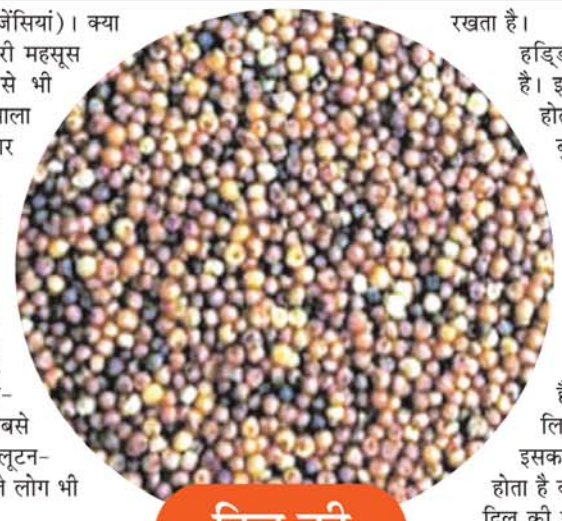

दिल की सेहत के लिए भी रागी बेहतरीन

इसे सुबह नाश्ते में रोटी, डोसा, दलिया या लड्डू के रूप में बनाकर खा सकते हैं और पूरा दिन बिना थके एनर्जी से भरपूर रह सकते हैं। इसमें मौजूद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट धीरे-धीरे एनर्जी देते हैं, जिससे भूख देर से लगती है और दिनभर चुस्ती बनी रहती है। वजन घटाने वालों के लिए भी यह बेस्ट है क्योंकि यह पेट लंबे समय तक भरा रखता है।

हड्डियों के लिए भी रागी फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, इसलिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए यह प्राकृतिक कैल्शियम का स्रोत है। ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों के दर्द में यह रामबाण है। खून की कमी दूर करने में भी रागी कमाल करती है। इसमें भरपूर आयरन होने से एनीमिया की समस्या दूर होती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए भी यह वरदान है क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है ब्लड शुगर अचानक नहीं बढ़ता।

दिल की सेहत के लिए भी रागी बेहतरीन है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है। वहीं, पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में भी यह नंबर-वन है और पेट से जुड़ी समस्याओं का भी खात्मा करती है। रागी को अपने खाने की थाली में शामिल करने से कई फायदे मिलते हैं। हालांकि एक्सपर्ट कुछ सावधानी रखनी की भी सलाह देते हैं। रागी का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।

व्यापार मेले में आगंतुकों को लुभा रहा कतरनी, स्वर्ण मंसूरी-सोनम चावल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार का कतरनी, स्वर्ण मंसूरी और सोनम चावल आगंतुकों को लुभा रहा है। बिहार पवेलियन में 'गजानन सिद्धिविनायक फूड' इस वर्ष व्यापार मेला में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आगंतुक कतरनी, स्वर्ण मंसूरी और सोनम चावल को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और ऑर्डर बुक करा रहे हैं।

गौरतलब है कि यह कंपनी बिहार में पूरी तरह जैविक खेती (ऑर्गैनिक फार्मिंग) के माध्यम से चावल का उत्पादन करती है। बिना किसी रासायनिक प्रक्रिया के तैयार किए गए इनके चावल शत-प्रतिशत शुद्ध, प्राकृतिक और स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हैं। कंपनी के पास कुल सात प्रकार के चावल हैं, जिनकी कीमत 40 रुपए किलो से 70 रुपए किलो तक है। इनमें सबसे लोकप्रिय मंसूरी चावल (40 रुपए/किलो), सोनम स्टीम चावल (70 रुपए/किलो) और कतरनी व्हाइट सेला चावल (50 रुपए/किलो) हैं। इस कंपनी के संस्थापक पवन कुमार झुनझुनवाला हैं, जबकि संचालन की जिम्मेदारी गोपाल कुमार झुनझुनवाला संभालते हैं। स्टॉल पर आने वाले आगंतुक न सिर्फ चावल की गुणवत्ता और सुगंध से प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि इसके रसायनमुक्त, स्वच्छ और हाइजेनिक उत्पादन की सराहना भी कर रहे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के बीच यह चावल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसके अलावा बिहार पवेलियन में राज्य सरकार से पुरस्कृत नाजदा खातून का सिक्की आर्ट, मंजूर आलम का डिज़ाइनर लेदर उत्पाद और राकेश कुमार के हैंडलूम कढ़ाई शूट उत्पाद को लोग खूब भा रहा हैं।झ बिहार के चंपारण से आए मंजूर आलम ने बताया कि लेदर के पर्स, लेडीज पर्स, बैग, ऑफिस बैग, ट्रॉली बैग, बेल्ट एवं अन्य उत्पाद के खास डिजाइन को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

तारा सुतारिया: मल्टी टैलेंट का फुल पैकेज

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा में बहुत कम ही ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो मल्टी टैलेंट के साथ पर्दे पर खुद को निखार पाती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी उनमें से एक हैं। वे न सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि डांस, सिंगिंग, खाना बनाने और स्कैचिंग में भी आगे रहती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया बुधवार को अपना 30वां जन्मदिन मना रही है। ऐसे में जानते हैं कि तारा अगर अभिनेत्री न बनती तो आगे जाकर क्या बनतीं।

तारा सुतारिया 7 साल की उम्र से ही सिंगिंग में रुचि रखती थीं और कई अंतरराष्ट्रीय ओपेरा और कॉम्पीटिशन का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने फिल्म 'गुजारिश' और एक विलेन में 'शामत' गाने में अपनी आवाज दी है। अमेरिकी गायिका व्हिटनी हाउस्टन से प्रेरित होकर उन्होंने बॉलीवुड में सिंगिंग करने का फैसला किया। एक्टिंग में करियर बनाने के लिए भी तारा ने छोटी उम्र से ही शुरुआत कर दी थी। उन्होंने अमेरिकी सिटकॉम 'द सूट लाइफ ऑफ जैक एंड कोडी' के हिंदी वर्जन 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' (2012) से बाल कलाकार के तौर पर करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद वे 2013 में आए टीवी शो 'ओए जस्सी' में दिखीं। टीवी पर किस्मत आजमाने के बाद तारा ने बड़े पर्दे पर कदम रखा और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बतौर एक्ट्रेस एंट्री ली, जिसके बाद वे साल 2019 की 'मरजावां', साल 2021 की 'तड़प', साल 2022 में आई 'हीरोपंती 2' और 'एक था विलेन रिटर्न्स' में दिखीं। उन्हें आखिरी बार ओटीटी रिलीज फिल्म 'अपूर्वा' में देखा गया। हालांकि बॉलीवुड में सक्सेस पाने के बाद भी तारा हमेशा से एक शेफ बनना चाहती हैं।

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस आज

कलाकारों ने साझा किए अपने विचार

मुंबई, (एजेंसियां)। सोनी सब के कलकारों ने अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस (19 नवम्बर) पर अपने विचार प्रशंसकों के साथ साझा किये हैं।

पुष्पा इम्पॉसिबल में राजवीर शास्त्री की भूमिका निभा रहे गौरव चोपड़ा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मुझे हमेशा उन पुरुषों की याद दिलाता है जो चुपचाप खुद को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहे होते हैं। यह मुझे राजवीर की याद दिलाता है, एक ऐसा सफल आदमी, जो दर्दनाक अतीत के बाद खुद को संभाल रहा है... जो अपने दुख को गुस्से के पीछे छुपाता है क्योंकि उसे और तरीका नहीं आता। इस किरदार को निभाते हुए एहसास हुआ कि असल ज़िंदगी में कितने पुरुष ऐसा ही करते हैं। मैंने सीखा कि हीलिंग कमजोरी नहीं है, कई बार यह वह सबसे बहादुर काम होता है जो कोई पुरुष कर सकता है।

इत्ती सी खुशी में विराट का किरदार निभा रहे रजत वर्मा ने कहा कि बचपन से मैंने ऐसे पुरुष देखे जो प्यार दिखाते थे चुपचाप, बिना कहे चीजें ठीक कर देते, बिना शोर मचाए हमेशा साथ खड़े रहते। मेरा किरदार विराट भी उसी कोमल ताकत की जगह से आता है। इंटरनेशनल मेन्स डे पर मैं उन पुरुषों के बारे में सोचता हूं जो रूढ़ियों से दूर, धैर्य, सहानुभूति और स्थिरता के साथ जीवन जीते हैं। विराट को निभाते हुए मुझे अहसास हुआ कि कई बार सबसे मुलायम ताकत ही सबसे टिकाऊ होती है।

इत्ती सी खुशी में इंस्पेक्टर संजय भोसले का किरदार निभा रहे ऋषि सक्सेना ने कहा कि मेरी जिंदगी में ऐसे कई पुरुष आए, मेंटर्स, परिवार, सहकर्मी जिन्होंने सिखाया कि जिम्मेदारी और गर्माहट साथ-साथ चल सकती हैं। मेरा किरदार संजय भी उसी संतुलन को दर्शाता है, वह अधिकार रखता है, लेकिन उसके भीतर एक गहरी भावनात्मक ईमानदारी भी है। इस अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर याद आता है कि पुरुषों को मजबूत और संवेदनशील होने के बीच चुनाव नहीं करना चाहिए। दोनों साथ रह सकते हैं और अक्सर रहते भी हैं।

गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय में इंद्र देव की भूमिका निभा रहे करण सुचाक कहते हैं, 'पौराणिक किरदारों को निभाते हुए मैंने सीखा है कि शक्ति कभी एक-आयामी नहीं होती। इंद्र देव का किरदार निभाते हुए भी गर्व, संवेदनशीलता, झिझक सब के पल आते हैं... वे सभी भावनाएं, जिन्हें हम अकसर भूल जाते हैं कि पुरुष भी महसूस करते हैं। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर मुझे लगता है कि पुरुषों को इस भावनात्मक विस्तार की अनुमति मिलनी ही चाहिए। अगर एक सीख मिली है, तो वह यह कि पूर्णता का दिखावा करने से कहीं अधिक प्रभावशाली है असली होना।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो मूल की पॉप स्टार निक्की मिनाज, यूएन के मंच पर रखेंगी अपनी बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली, (एजेंसियां)। निक्की मिनाज को दुनिया हिप-हॉप की सबसे प्रभावशाली महिला कलाकारों में गिनती है, लेकिन हाल की घटनाओं ने उन्हें राजनीति और वैश्विक मानवाधिकार बहस के केंद्र में ला दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सलाहकारों की ओर से उन्हें संयुक्त राष्ट्र में नाइजीरिया के ईसाइयों पर हो रहे हमलों के मुद्दे को उठाने के लिए आमंत्रित किया गया, और यहीं से सवाल उठने लगा कि आखिर निक्की मिनाज कौन हैं, उनकी कहानी क्या रही है, और ट्रंप प्रशासन ने उन्हें इतनी राजनीतिक अहमियत क्यों दी। मंगलवार को निक्की अपनी बात रखेंगी।

निक्की मिनाज का असल नाम 'ओनिका टान्या माराज' है। 1982 में त्रिनिदाद एंड टोबैगो में पैदा हुईं। बचपन में ही उनका परिवार न्यूयॉर्क चला आया, जहां उन्होंने गरीबी, संघर्ष और हिंसक घरेलू माहौल देखा। पिता ड्रग और शराब की समस्या से जूझते थे, और निक्की कई बार इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि कैसे उनके शुरुआती साल असुरक्षा और डर में बीते।

यही वजह है कि उनके अंदर एक तेज, मुखर और कभी-कभी आक्रामक व्यक्तित्व पनपा और यही बाद में उनके संगीत का आधार बना। संगीत में उन्होंने 2000 के दशक में 'रैप मिक्सटेप्स' के जरिए पहचान बनाई और 2010 में उनका पहला एल्बम 'पिंक फ्राइडे' आया, जिसने उन्हें स्टार बना दिया।

1 मिनट की 'आई पामिंग' से आंखों की थकान को करें दूर

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। ऑफिस में कंप्यूटर के सामने घंटों बैठना हो या मोबाइल, लैपटॉप और टीवी की स्क्रीन के सामने आंखों में जलन, लालिमा और भारीपन होना आम सी बात हो गई है। ऐसे में बेहद सरल आई पामिंग के अभ्यास से आंखों की थकान को दूर किया जा सकता है।

'आई पामिंग' को आंखों की थकान को दूर करने का सबसे आसान और असरदार इलाज है। यह प्राचीन योग तकनीक बिना किसी खर्च के घर बैठे ही आंखों को तुरंत राहत देती है।

आई पामिंग करने से स्क्रीन की नीली रोशनी से होने वाला तनाव कम होता है। आंखों की थकी हुई मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं, सिरदर्द और माथे का भारीपन दूर होता है। इसके नियमित अभ्यास से आंखें स्वस्थ रहती हैं। साथ ही रात में अच्छी नींद आती है। बच्चे हों या बड़े, हर उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं, यह हर आयु वर्ग के लिए सुरक्षित है।

इसे करने का तरीका बेहद सरल है। इसके लिए सबसे पहले आराम से सीधे बैठ जाएं। दोनों हथेलियों को आपस में तेजी से रगड़कर गर्माहट लाएं। आंखें पूरी तरह बंद कर लें। अब हथेलियों को कप जैसा गोल करके आंखों पर इस तरह रखें कि कोई दबाव न पड़े, नाक को सांस लेने की पूरी जगह मिले और चारों तरफ से रोशनी न आए। कोहनी को टेबल या घुटनों पर टिका लें, ताकि हाथ न थके। कंधे और चेहरे को ढीला छोड़कर धीमी-गहरी सांस लें और दिमाग में सिर्फ गहरा काला रंग देखने की कोशिश करें।

एंटीबायोटिक, बिना चिकित्सक की सलाह के लेना नुकसानदायक

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 18 नवम्बर से लेकर 24 नवम्बर तक विश्व भर में एंटीबायोटिक अवयेरनेस वीक मनाया जा रहा है। एंटीबायोटिक अवेयरनेस वीक मनाने का उद्देश्य लोगों को एंटीबायोटिक के प्रयोग, नुकसान और फायदों के बारे में जागरूक करना है, साथ ही ये भी बताना है कि कैसे एंटीबायोटिक का सही इस्तेमाल करके इसे प्रभावी बनाया जा सकता है।

- एंटीबायोटिक की ज्यादा खुराक से पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया हो जाते हैं खत्म
- शरीर की चोटों को भरने और पेशाब में जलन जैसी समस्याओं में भी दी जाती है एंटीबायोटिक

एंटीबायोटिक अवेयरनेस वीक पर सीनियर मेडिकल ऑफिसर और गाइनेकोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. मीरा पाठक ने इससे जुड़े मिथकों और सावधानियों पर बात की है और सही उपयोग के बारे में खुलकर बात की है। एंटीबायोटिक क्या है और किस स्थिति में इन्हें लेना चाहिए, इस पर बात करते हुए डॉ. मीरा पाठक ने कहा कि एंटीबायोटिक तब दी जाती है जब शरीर में बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है, जैसे 100 डिग्री से ज्यादा बुखार, लगातार तीन दिन या उससे ज्यादा बुखार बने रहना, सांस लेने में परेशानी होना, गले में सूजन या निकलने में दर्द होना, गले से 10 दिन तक लगातार कफ आना और कान में दर्द होना।

डॉ. मीरा पाठक ने आगे बताया कि शरीर की चोटों को भरने और पेशाब में जलन जैसी समस्याओं में भी एंटीबायोटिक दी जाती है, लेकिन उनका सेवन डॉक्टर की सलाह के बाद ही करना चाहिए, क्योंकि हर एंटीबायोटिक हर परेशानी में एक जैसा काम नहीं करती है। लोगों के अंदर ये मिथक बना रहता है कि एंटीबायोटिक हर बीमारी में काम करती है, लेकिन ऐसा नहीं है।

किन कंडीशन में एंटीबायोटिक का सेवन नहीं करना चाहिए, इस पर जानकारी देते हुए डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, फ्लू, डायरिया की समस्या होना, और शरीर में थकान होने पर बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये वायरल इंफेक्शन के लक्षण होते हैं, ना कि बैक्टीरियल इंफेक्शन के। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक का सेवन या एंटीबायोटिक के कोर्स को पूरा ना करना नुकसानदेह होता है। डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि ऐसा करने पर शरीर में बीमारी फैला रहे बैक्टीरिया पर दवा का असर होना कम हो जाता है और जब अगली बार बुखार होता है तो एंटीबायोटिक की ज्यादा खुराक मरीज को देनी पड़ती है।

सांस की बीमारी अन्य बीमारियों की तुलना में तेजी से बढ़ी

- देश के बदलते पर्यावरण ने हर उम्र में फेफड़ों पर बढ़ाया दबाव
- प्रदूषण, धुआं और देर से पहचान बीमारी को बना रहे हैं गंभीर

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज यानी सीओपीडी आज भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाली सांस की बीमारियों में शामिल है। पहले इसे ज्यादातर धूम्रपान से जुड़ी बीमारी माना जाता था, लेकिन भारत में इसके पीछे कारणों का दायरा बहुत बड़ा है। पर्यावरण, लाइफस्टाइल और घरेलू आदतें हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। शुरुआती लक्षणों को अनदेखा करना समस्या को और गहरा बना देता है। कई लोग सांस फूलने, थकान या लगातार खांसी जैसे संकेतों को सामान्य परेशानी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। स्पाइरोमेट्री जो सीओपीडी की सबसे महत्वपूर्ण जांच है अभी भी सामान्य स्वास्थ्य परीक्षणों में शामिल नहीं है। इसी वजह से बीमारी अक्सर तब पकड़ में आती है जब फेफड़ों को काफी नुकसान हो चुका होता है।

युवाओं में वेपिंग, तेज सुगंध वाले एरोसोल्स, खानपान से बढ़ने वाली सूजन और संक्रमण के बाद रह जाने वाली कमजोरी से भी जोखिम बढ़ा है। जागरूकता की कमी और झिझक भी बड़ी चुनौती है। अस्थमा को लोग जल्दी पहचान लेते हैं लेकिन सीओपीडी को लेकर जानकारी बेहद कम है। कई मरीज तब तक इलाज नहीं कराते जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के विभागाध्यक्ष पल्मोनोलॉजी डॉ. सरविंदर सिंह शुरुआती लक्षण पहचानने पर जोर देते हुए कहते हैं, सांस फूलती है तो जांच जरूर कराएं। सीओपीडी दुनिया में मौत के प्रमुख कारणों में शामिल है और धीरे धीरे बढ़ने वाली गंभीर बीमारी है। बारिश के अंत से लेकर सर्दियों तक हमारे ओपीडी में पच्चीस से तीस प्रतिशत मरीज ऐसे लक्षणों के साथ आते हैं जिनमें 60 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। समय पर पहचान और बचाव बेहद जरूरी है। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन के निदेशक, क्रिटिकल केयर एवं पल्मोनोलॉजी, डॉ. विपुल मिश्रा उम्र से जुड़ी गलतफहमियों को लेकर बताते हैं, कि हल्की सी भी सांस फूलती है तो इसे बढ़ती उम्र का असर मानना ठीक नहीं है। यह सीओपीडी का शुरुआती संकेत हो सकता है। पिछले तीन महीनों में हमारे ओपीडी में आए लगभग पैंसठ से सत्तर प्रतिशत मरीजों में सांस फूलने, खांसी रहने या बलगम बनने जैसे लक्षण पाए गए हैं और महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है। चिंता की बात यह है कि पच्चीस से तीस प्रतिशत मरीज ऐसे हैं जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। भारत में सीओपीडी का बढ़ता बोझ रोका जा सकता है। साफ ईंधन की उपलब्धता, प्रदूषण नियंत्रण, शुरुआती स्पाइरोमेट्री जांच, धूम्रपान मुक्त वातावरण, टीकाकरण और जनजागरूकता इस बीमारी को कम करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

पांगी घाटी
हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है

■ विनय कुमार

पांगी, भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के चंबा जिले की एक तहसील है। यह चंबा जिले का एक प्रशासनिक उपखंड है जो राज्य के उत्तरी छोर पर स्थित है। उत्तर में ज़ांस्कर पर्वतमाला और दक्षिण में पीर पंजाल पर्वतमाला के बीच स्थित यह घाटी एकांत में बसी है। दक्षिणी भाग में इसकी सीमा लाहौल और स्पीति से तथा पूर्वी भाग में जम्मू और कश्मीर से लगती है। चंद्रभागा नदी जम्मू और कश्मीर के पद्दर क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले एक गहरी और संकरी घाटी से होकर गुजरती है। अपनी गहरी नदी घाटियों और बंजर पर्वत चोटियों के साथ, यह घाटी विविध प्रकार के दृश्य और वनस्पतियाँ प्रस्तुत करती है। हाल तक, यह घाटी हिमाचल प्रदेश का सबसे दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र था, जहाँ राज्य के शेष भाग से सड़क संपर्क 1990 के दशक के मध्य में ही स्थापित हुआ था। पूर्व रियासती शासनकाल में इस बर्फीली पर्वत श्रृंखला को इतना दुर्गम माना जाता था कि पांगी में कर्तव्य पर जाने वाले प्रत्येक राजकीय अधिकारी को 'अंत्येष्टि व्यय' मद के अंतर्गत एक विशेष भत्ता दिया जाता था, क्योंकि उसकी वापसी, चाहे जीवित हो या मृत, निश्चित या उच्च आशा की बात नहीं मानी जाती थी।

पांगी का इतिहास कुछ शिलालेखों, किंवदंतियों और परंपराओं से समझा जा सकता है। कुछ बिखरे हुए साक्ष्य हैं, जिन्हें एकत्रित करने पर पांगी के इतिहास के पन्ने खुल जाते हैं। रियासतों के शासन से पहले, स्थानीय शासन का एक काल रहा होगा, जैसा कि जाति व्यवस्था से स्पष्ट है । कुछ किंवदंतियाँ यह भी बताती हैं कि पांगवाल जनजाति के लोग पड़ोसी क्षेत्रों से यहाँ आकर बसे थे। यह संभव है कि कभी-कभी, राजनीतिक प्रभाव के कारण, मध्य एशियाई व्यापार का कुछ हिस्सा अपने मूल मार्ग से भटककर सिनाब की कम सुलभ घाटी से होकर गुजरा हो , लेकिन सामान्य परिस्थितियों में यह हमेशा अपने प्राकृतिक मार्गों पर लौट आता होगा।

मानव बस्तियों के सबसे पुराने ज्ञात प्रमाण लुज और सालही में पाए जाने वाले पत्थर के शिलालेखों से मिलते हैं । लुज में स्थित शिलालेख उस समय के किसी स्थानीय राणा द्वारा स्थापित किया गया था । इसमें चंबा के राजा जश्त वर्मन के सिंहासनारोहण वर्ष का सत्यापित विवरण है। शिलालेख में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह पत्थर राजा जश्त वर्मन के शासनकाल के पहले वर्ष में स्थापित किया गया था। स्थापना वर्ष संवत 8 बताया गया है, जो 1105 ईस्वी के बराबर है। इसी वर्ष से चंबा के राजाओं का कालक्रम सटीक हो गया। शिलालेख से पता चलता है कि उस समय चंबा राज्य पांगी के लुज गाँव तक फैला हुआ था।

साल्ही में मिले शिलालेख से पता चलता है कि यह पत्थर राजा ललित वर्मन के शासनकाल के 27वें वर्ष में राजनक लुदरपाल नामक एक राणा द्वारा स्थापित किया गया था । स्थापना का वर्ष शास्त्र संवत 46 बताया गया है, जो उस समय चंबा राज्य में प्रचलित था। कालक्रम की गणना करने पर, राजा ललित वर्मन का शासनकाल 1143 ई. में शुरू हुआ माना जाता है, और उनका 27वां वर्ष 1170 ई. के बराबर है। उस पत्थर पर पांगी को 'पंगति' लिखा गया है, जबकि स्थानीय भाषा में लोग इसे 'पैंगइ' कहते थे। ये शिलालेख बताते हैं कि स्थानीय राणा चंबा के राजाओं के अधीन इस क्षेत्र पर शासन करते थे। इन राणाओं के वंशज आज भी इस क्षेत्र में साधारण किसान जीवन व्यतीत करते हैं।

पांगी घाटी के त्योहारों में सिलाह, पादीद और मंगल शामिल हैं, जो पांगी घाटी के पवित्र त्योहार हैं, जो माघ महीने की अमावस्या को मनाए जाते हैं। ये त्योहार सिर्फ़ रस्में नहीं हैं; ये घाटी की जीती-जागती सांस्कृतिक विरासत को दिखाते हैं, जो आस्था, लोककथाओं और प्रकृति के साथ मेलजोल में गहराई से जुड़ी हुई है।

इन त्योहारों की तैयारी कई दिन पहले से शुरू हो जाती है। घरों को अच्छी तरह से साफ़ किया जाता है और खूबसूरती से सजाया जाता है। घरों के अंदर, चौका नाम की पारंपरिक लोक पेंटिंग बनाई जाती हैं। ये खास तौर पर तैयार की गई सतहों पर बनाई जाती हैं और ये सिर्फ़ सजावटी कला के रूप नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पवित्रता, भक्ति और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक हैं।

खास पारंपरिक पकवान तैयार की जाती हैं, जिनमें सबसे खास 'मांडे' के साथ-साथ दूसरे पारंपरिक खाने भी शामिल हैं। सिलाह के दिन, घर के पूर्वी हिस्से में फर्श पर राजा बलि (बलिराजा) और हिमालयी जंगली जानवरों जैसे हिमालयी लोमड़ी, आइबेक्स, नीली भेड़ (भरल) और पुहाल की प्रतीकात्मक पेंटिंग बनाई जाती हैं। ये पारंपरिक तस्वीरें पांगी घाटी में इंसानों और प्रकृति के बीच सदियों पुराने मेल-जोल और आपसी मेल-जोल को खूबसूरती से दिखाती हैं। पूरे दिन, भक्ति के साथ खाना पकाया जाता है। रात में, राजा बलि की पूजा की जाती है, और दिन भर में तैयार किया गया सारा खाना, एक जलते हुए तेल के दीपक के साथ, उन्हें भोग के रूप में चढ़ाया जाता है। श्रद्धा और परंपरा के तौर पर, रात के लिए चरखे पर ऊन कातना बंद कर दिया जाता है, जो संयम, सम्मान और मौके की पवित्रता का प्रतीक है।

पुरानी कहानी के अनुसार, राजा बलि भगवान विष्णु के महान भक्त प्रह्लाद के पोते थे। अपनी बहादुरी और नेकी से, उन्होंने तीनों लोकों पर जीत हासिल की। ब्रह्मांड का संतुलन ठीक करने के लिए, भगवान विष्णु ने वामन (बौना) अवतार लिया। जब राजा बलि से तीन पग ज़मीन मांगी गई, तो उन्होंने विनम्रता से यह मांग मान ली, और पूरा ब्रह्मांड दे दिया। उनकी भक्ति और उदारता से खुश होकर, भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया कि हर साल एक दिन धरती पर उनकी पूजा होगी। यह विश्वास पांगी घाटी में आज भी जीवित है, जहाँ लोग आज भी बलिदानो की गहरी आस्था और भक्ति के साथ पूजा करते हैं। हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है।

कहानी

त्याग

■ सियारामशरण गुप्त

राष्ट्रपिता की गिरफ्तारी पर स्थानीय राष्ट्र-सभा ने हड़ताल की घोषणा की थी। इस छोर से उस छोर तक सारा बाजार बन्द था। जान पड़ता था, मानो किसी योगी ने आत्म-साक्षात्कार के लिए समाधि चढ़ा ली हो।

प्रदर्शिनी देखने के लिए हृदय में जो आग्रह होता है, बन्द बाजार देखने के लिए भी उससे कम नहीं होता; परन्तु मैं घर से न निकल सका। जयदेव कल से ज्वर में पड़ा था । आज वह शोर-गुल करके, इधर से उधर, उधर से इधर दौड़ कर, पीछे से अचानक मेरी पीठ पर चढ़कर, और भी अनेक नवविकृत युक्तियों से मेरे पढ़ने-लिखने में व्याघात नहीं पहुँचा रहा था । जिस तरह घरघराहट के साथ चलती हुई रेलगाड़ी के यात्री की नींद, गाड़ी रुकते ही उचट जाती है, उसी तरह इस शान्ति में मेरे मन की शान्ति भङ्ग हो रही थी।

> नौकर की बात सुनकर मुझे हँसी आ गई । कुछ दिन पहले इन प्रान्तों की यात्रा करते हुए बापू हमारे गाँव में भी पधारे थे ।

दोपहर के समय वह अचानक फुर्ती के साथ उठकर खाट पर बैठ गया । बोला- मैं भीतर जाऊँगा । 'ऐसे में घूमना-फिरना अच्छा नहीं बेटा !' कहकर मैं ने उसे अपनी गोद में बिठा लिया। सिर पर हाथ रखकर देखा, ज्वर उतर गया है। उसने मेरी गोद से उठने का प्रयत्न करते हुए कहा -छोटी दाख!

'छोटी दाख खाओगे ?'

'हाँ !'

घर में छोटी दाख थी नहीं । भजुआ को बुलाकर दो आने की किशमिश ले आने के लिए कहा । वह विरक्ति प्रकट करते बोला-मालिक, आज हड़ताल है । जब से गाँधी बाबा यहाँ हो गये हैं, हर दूसरे दिन बाजार बन्द रहने लगा है । पहले तो ऐसा नहीं होता था ।

नौकर की बात सुनकर मुझे हँसी आ गई । कुछ दिन पहले इन प्रान्तों की यात्रा करते हुए बापू हमारे गाँव में भी पधारे थे । उसके बाद ही सत्याग्रह - संग्राम छिड़ गया और हड़ताल रोज की बात हो उठी । यह नौकर देहात से नया आया था; इसलिए मेरे यहाँ रहकर भी यथार्थ स्थिति से परिचित न था । परन्तु इस समय उसे अच्छी तरह समझाने का अवसर मेरे पास न था । बच्चे को समझाते हुए मैंने कहा- बेटा, आज बाजार बन्द है । दाख कल सबेरे मँगा दूँगा । इस समय और कुछ खालो ।

जयदेव ने सिर हिलाकर संक्षेप में कहा - दाख !

मैंने उसे बहलाने के लिए कहा-अच्छा, भीतर से लड्डू मँगाये देता हूँ । बहुत अच्छे, बहुत मीठे !

जयदेव ने विज्ञ की तरह सिर हिलाते हुए कहा - नहीं, मिठाई से दाँत खराब हो जाते हैं, दाख अच्छी होती है ।

उसकी बात सुनकर मैं जोर से हँस पड़ा । दाँत खराब हो जाने के डर से उसने आज तक कभी मिष्ठान्न का अनादर नहीं किया था।

और कुछ लेने के लिए मैं उसे किसी प्रकार सम्मत न कर सका । कदाचित् दुष्प्राप्य वस्तु ही अधिक स्वादिष्ट होती है । इस कठोर सत्याग्रह के लिए मैं भूखे बच्चे पर अप्रसन्न भी न हो सका । विवश होकर बाजार के लिए उठ खड़ा हुआ ।

एक मित्र दूकानदार को तलाश करके दूकान खुलवाई, तब कहीं बड़ी मुश्किल से दाखें मिलीं । उन्होंने दाम नहीं लिये । हड़ताल के कारण उस दिन कोई चीज बेची नहीं जा सकती थी । मित्र के एहसान के साथ जब मैं दाखें ले कर घर पहुँचा, तब जयदेव अपनी माँ की गोद में बैठा-बैठा रोटी खा रहा था । दाखें देखकर बोला- मैं अब नहीं खाऊँगा, और किसी को दे दो ।

उसकी उदारता से विस्मित होकर मैंने कहा- मैं तो बड़ी मुश्किल से लाया हूँ; बहुत अच्छी, बिलकुल साफ 7 क्यों नहीं खाते ?

उसने कहा- नहीं, आज दाख नहीं खाई जाती। आज गाँधीजी ने हड़ताल कराई है ।

मैंने विस्मय प्रकट करते हुए कहा अच्छा, ऐसी बात है ! गाँधीजी नहीं, हम तो उन्हें बापू कहते हैं । उसने 'बापू' शब्द पर जोर देते हुए कहा- वे तुम्हारे बापू हैं ?

मैंने हँसकर कहा- हाँ वे हमारे, तुम्हारे और सबके बापू हैं । तुम उन्हें जानते हो ?

जयदेव ने माँ की गोद में बैठे-बैठे कहा- मैं सब जानता हूँ । उस दिन वे यहाँ आये थे । मंडियाँ लगाई गई थीं, बन्दनवार बाँधे गये थे और बहुत आदमी इकट्ठे हुए थे । उन्हें थैली दी गई थी ।

उसे इस परीक्षा में उत्तीर्ण पाकर कहा- तो ये दाखें मैं मुन्नी को दिये देता हूँ ।

उसने दृढ़ता से कहा- हाँ, मुन्नी को ही दे दो। वह नासमझ है, मैं सब समझता हूँ । आज कोई चीज बाजार से मँगाना ठीक नहीं है । इन्हें मैं न खाऊँगा ।

वे दाखें उसने नहीं ही लीं ।

व्यंग्य

चारों धाम-सेवा तीर्थ

■ दयाराम वर्मा

विलियम शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक रोमियो और जूलियट में नायिका जूलियट अपने प्रेमी से कहती है–

'नाम में क्या रखा है? जिसे हम गुलाब कहते हैं, किसी और नाम से भी उसकी सुगंध उतनी ही मीठी होती है। रोमियो, अपना नाम त्याग दो, और उस नाम के बदले–जो तुम्हारा कोई अंश नहीं–मुझे पूरी तरह अपना लो।'

यहाँ जूलियट अपने प्रेमी को नाम की पहचान से मुक्त होकर प्रेम को प्राथमिकता देने का आग्रह कर रही है। उसका तर्क है– नाम बदलने से व्यक्तित्व नहीं बदलता।

लेकिन यह कथन सोलहवीं सदी का है। तब से अब तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है। यह कहाँ लिखा है कि साहित्य और समाज में सदैव गुलाब का ही दबदबा रहेगा? कमल भी तो है–फूलों का महाफूल। कमल का कमाल यह है कि वह कीचड़ में खिलता है। यह उसका बड़प्पन है, उसका समाजवादी और समावेशी चित्रण है! भले ही गुलाब उसे कीचड़ का शोषक बताकर उसका सामंती निरूपण करें। लब्बोलुआब यह है कि नाम बदलने से गुलाब को फर्क पड़े या न पड़े कमल को पड़ सकता है। अब जैसे यह उदाहरण देखिए।

उत्तर कोरिया में पिछले दशक में माँ-बाप अपने बच्चों को नरम और सरल नाम देने लगे थे, जैसे 'ए रि', 'सु मि' जिनका शाब्दिक अर्थ होता है– प्यारा/प्यारी और सुंदर। जब यह बात किम जोंग के संज्ञान में आई तो उनका पारा गर्म होना स्वाभाविक ही था। वे भला अपने प्यारे देश की संस्कृति को प्यारे और सुंदर नामों से अपसंस्कृत होते हुए कैसे सहन करते!

फौरन दिशा-निर्देश जारी किए गए– देश के बच्चों के नाम 'वैचारिक' और 'क्रांतिकारी' हों जैसे 'चुंग सिम' जो निष्ठा (स्वामी भक्ति) को दर्शाता है या 'पोक-ड्डु' जो एक बम का नाम है। और जैसा कि हम सब जानते हैं, वहाँ की जनता कितनी आज्ञाकारी है। इस आदेश के बाद जन्म लेने वाले बच्चों के नाम 'पोक-ड्डु' से लेकर 'चोंग' (बंदूक), 'सो-चोंग' (राइफल), 'क्वोन चोंग' (पिस्तौल), 'पोग-याक' (विस्फोटक) जैसे बारूदी नाम रखने की होड़ मच गई।

फिलहाल हमारे यहाँ गली, मोहल्लों, गाँव, शहरों और सरकारी संस्थाओं, कार्यालयों आदि के नाम बदल कर उन्हें जोश, गर्व और गौरव की ड्रिप चढ़ाई जा रही है, व्यक्तिगत नामों पर अगले चरण में विचार किया जाएगा। तो इस अभियान को विस्तार देते हुए शाही नवरत्न, बहुत मंथन के उपरांत 'सेवा तीर्थ' जैसा धाँसू शब्द खोज ले आए। इस शब्द में संकल्प, प्रकल्प, कायाकल्प आदि के भाव वैसे ही गूँथे हुए हैं जैसे 'कर्तव्य पथ', 'लोक कल्याण मार्ग', 'कर्तव्य भवन' आदि नामों में थे।

नाम पढ़-सुनकर ही काम की संतुष्टि हो जाती है। जैसे मन की बात सुनने के बाद काम की बात करने का मन ही नहीं करता! यदि नाम का ऐसा प्रताप हो सकता है तो फिर काम पर व्यर्थ पैसा और समय क्यों बर्बाद किया जाए?

बाज़ लोगों को, जिनमें पिछली सरकारें बाय डिफॉल्ट शामिल हैं, नहीं मालूम कि तीर्थ की उपमा किसे दी जानी चाहिए। अब नेहरू जी को हो लीजिए! उनकी निगाह में तो भाखड़ा नांगल डेम, भिलाई स्टील प्लांट, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड जैसे प्रोजेक्ट्स ही आधुनिक भारत के तीर्थ थे। कौन समझाए!

तीर्थ उस स्थान को कहा जाता है जो पवित्र है, जहाँ मुख्य देवता और अन्य देवगणों की पावन उपस्थिति हों। जहाँ भक्ति और श्रद्धा से परिपूर्ण वातावरण हो, चढ़ावा चढ़ता हो, प्रसाद बँटता हो, वंदन-गान गाए जाते हों। अब किसी बाँध, स्टील या बिजली के कारखाने को तीर्थ कहना–लाहौल-विला-कुव्वत। कोई अल्पज्ञ ही ऐसी कल्पना कर सकता है? यह मानना होगा कि पिछले एक दशक से नाम बदलना सबसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों में से एक है। नाम ऐसा होना चाहिए कि सुनते ही कानों में संगीत बज उठे, दिल कहे इलु-इलु! दो शब्दों के संयोजन से निर्मित सेवा तीर्थ, ऐसा ही एक भावोत्तेजक, सुविचारित और कर्णप्रिय नाम है।

और, पीएमओ को सेवा तीर्थ का नाम देना बिल्कुल युक्तियुक्त है, तर्कसंगत है, व्यावहारिक है, समसामयिक है, संस्कारी है और सब पर भारी है। इसमें एक तीर्थ स्थल जैसी तमाम अर्हताएँ पाई जाती हैं। यहाँ न केवल देवों के अधिपति स्वयं विराजमान हैं बल्कि पूरी देव-नगरी मौजूद है। साफ-सफाई, हरे-भरे बगीचे, झरनों जैसे फव्वारे, गर्मी में सर्दी और सर्दी में गर्मी का अहसास–यह सब आप यहाँ महसूस कर सकते हैं।

अब जबकि अमृतकाल आया हुआ है या यूँ कहें कि घनघोर छाया हुआ है, तो इस पुण्य काल में देव, महादेव सब सशरीर सेवा-तीर्थ में मौजूद हैं, अमृत पिया जा रहा है, अमृत पिलाया जा रहा है। ऐसे में दान, पूजा, भेंट, परिक्रमा आदि की व्यवस्था न हो– ऐसा तो सपने में भी सोचा नहीं जा सकता।

रही बात सेवा की तो जिसकी जैसी श्रद्धा वैसी सेवा की जा सकती है। और जैसी होगी सेवा वैसा मिलेगा मेवा। भक्त ध्रुवदास ने सेवा और भक्ति की महिमा कुछ इस प्रकार से समझाई है–'सेवा अरु तीरथ-भ्रमन, फलतेहि कालहि पाइ। भक्तन-संग छिन एक में, परमभक्ति उपजाइ।' सेवा तीर्थ के संदर्भ में इस दोहे का भावार्थ यह लिया जा सकता है कि भक्तों की संगति में एक क्षण में ही परमभक्ति के पद पर पहुँचा जा सकता है।

इस नामोत्तेजक वातावरण में कुछ सुझाव निःशुल्क पेश हैं, यथा–पुलिस चौकी का नाम 'सेवा मठ', तहसील कार्यालय का 'भू-सेवा धाम', आयकर विभाग का 'अर्थ अखाड़ा', ईडी का 'वज्रपात पीठ'। संभावनाएँ असीमित हैं–थोड़ा योगदान आप भी दे सकते हैं।

पुस्तक समीक्षा

स्मृति, प्रतिरोध और भविष्य की आकांक्षा : सॉरी आर्यभट्ट सर

■ मालिनी गौतम

आधुनिक हिन्दी कविता ने पिछले कुछ दशकों में अपनी दिशा और स्वर को गहराई से बदला है। अब यह केवल आत्मानुभव, निजी भावनाओं या रूमानी आत्मकथ्य तक सीमित नहीं रही, बल्कि समाज और राजनीति की जटिलताओं, सत्ता और सांप्रदायिकता की चालों तथा स्मृति और इतिहास के विडंबनापूर्ण प्रसंगों पर आलोचनात्मक हस्तक्षेप का माध्यम बन चुकी है। 2024 में बोधि प्रकाशन से प्रकाशित शेफ़ाली शर्मा का कविता-संग्रह 'सॉरी आर्यभट्ट सर' इसी बदलाव का महत्त्वपूर्ण उदाहरण है। यह संग्रह अपने समय की बेचैन आत्मा को शब्द देता है और साथ ही भविष्य की संभावनाओं की ओर प्रश्न भी फेंकता है।

इस संग्रह की कविताएँ एक ओर आँकड़ों और गणित के अमानवीय चेहरे को उजागर करती हैं, दूसरी ओर बच्चों की दुनिया और उनके सपनों को बचाने की कोशिश करती हैं। कहीं स्त्रियों की स्मृतियाँ और विद्रोह दर्ज हैं, तो कहीं धर्म और राजनीति के प्रतीकों का पुनर्पाठ। यह बहुविषयकता ही संग्रह की सबसे बड़ी शक्ति है, क्योंकि जीवन की कोई भी सच्चाई अकेले नहीं आती, वह हमेशा आँकड़ों और आँसुओं, सत्ता और स्मृति, भूख और सपनों, सबको साथ लेकर आती है।

शीर्षक कविता 'सॉरी आर्यभट्ट सर' संग्रह की अंतिम कविता है और पूरी यात्रा का सार प्रस्तुत करती है। यहाँ गणितज्ञ युद्ध के आँकड़े गिनने में व्यस्त है, 'उन्होंने हमारे चालीस मारे / हमने उनके तीन सौ'— पर यह गिनती जीवन की वास्तविक त्रासदी को नहीं पकड़ पाती। कवयित्री कहती हैं:

'बम तो मैं गिन सकता हूँ / लाशें भी गिन सकता हूँ / पर कितनी रातें, कितनी आहें, कितने आँसू... कौन गिनेगा?'

यहाँ गणित की सीमा स्पष्ट होती है। आँकड़े केवल शरीर गिन सकते हैं, पर जीवन के ताप-आह, भूख, सपने और आशंकाएँ किसी गणना में नहीं समा सकते। शीर्षक कविता में आर्यभट्ट से क्षमा-याचना दरअसल उस सभ्यता पर व्यंग्य है जिसने संख्याओं को मनुष्यता से बड़ा मान लिया। यही स्वर पूरे संग्रह में अलग-अलग रूपों में बार-बार लौटता है।

संग्रह की बड़ी चिंता बच्चों को लेकर है। लगभग हर तीसरी-चौथी कविता में बच्चे उपस्थित हैं। 'हमें माफ कर दो बच्चों' में यह स्वर अपराधबोध और आत्मालोचना में बदल जाता है:

'यह सब रोका जा सकता था / पर हम नहीं रोक पाए।'

यहाँ पीढ़ियों के बीच संवाद है, जहाँ वर्तमान पीढ़ी भविष्य से माफी माँग रही है। यह केवल भावनात्मक स्वीकार नहीं, बल्कि समय का कठोर सत्य है कि वयस्कों की असफलताएँ आने वाली पीढ़ियों पर बोझ बनती हैं। दूसरी ओर, 'धरती की वसीयत' कविता बच्चों की कल्पना की आज़ादी का उत्सव है- वे कहते हैं कि 'मटर हरी नहीं लाल होनी चाहिए / गाजर पीली, धनिया नीली।' यह रंग बदलने की मासूम इच्छा दरअसल स्थापित मान्यताओं को उलटने का साहस है। यह कविता बच्चों की नकारात्मक क्षमता यानी अस्वीकार की ताक़त को रेखांकित करती है। इस तरह बच्चों पर लिखी गई कविताएँ केवल चिंता का नहीं, बल्कि परिवर्तन और उम्मीद का भी आधार हैं।

स्त्रियों की स्मृतियाँ और उनका प्रतिरोध संग्रह का एक और केंद्रीय पक्ष है। 'रूगर वाली' कविता उन स्त्रियों की स्मृति जगाती है जिनका श्रम घर की दीवारों और फ़र्श पर दर्ज है, पर इतिहास में कहीं नहीं। शेफ़ाली लिखती हैं, 'अपना फर्श उधेड़ पाओ; तो ताज़े मिलेंगे / लीपते वक्त, हथेलियों से बनाए गए घुमावदार निशान।' यह स्मृति इतिहास की चुप्पी को तोड़ती है। वहीं 'बदतमीज़ औरतें' कविता उन स्त्रियों की छवि सामने लाती है जिन्होंने पितृसत्ता की व्यवस्था को चुनौती दी: 'कुछ बद्तमीज़ औरतों ने / लड़कियों को थाली में सजा व्यंजन हो जाने से बचा लिया।' यह बद्तमीज़ी दरअसल आत्मसम्मान और विद्रोह का दूसरा नाम है। इन कविताओं में शेफ़ाली स्त्रियों को न तो केवल पीड़ा की मूर्ति मानती हैं, न ही केवल करुणा की छवि। वे उन्हें स्मृति की संरक्षिका और विद्रोह की वाहक दोनों रूपों में स्थापित करती हैं।

राजनीतिक और सांप्रदायिक हस्तक्षेप पर भी कवयित्री ने तीखे व्यंग्य और आलोचना की है। 'ये देश तुम्हारा नहीं' कविता उन आवाज़ों का प्रतिवाद करती है जो नागरिकता और राष्ट्रवाद के नाम पर बहिष्कार का अभियान चलाती हैं। कवयित्री याद दिलाती हैं कि कारीगर, किसान, अल्पसंख्यक और हाशिए पर खड़े लोग ही देश के वास्तविक निर्माता हैं। इसी स्वर को 'अल्पसंख्यक' कविता और अधिक धार देती है, जहाँ अल्पसंख्यक होना केवल धार्मिक पहचान नहीं बल्कि एक परिस्थिति है, एक नियति जो बहुसंख्यक सत्ता गढ़ती है। यह दृष्टि संग्रह को स्पष्ट राजनीतिक आयाम देती है।

प्रतीकों और महापुरुषों का पुनर्पाठ भी इस संग्रह में महत्त्वपूर्ण है। 'गाँधी' कविता में कवयित्री दिखाती हैं कि गाँधी आज भीड़ के बीच खड़े हैं, पर भीड़ अंधी और बहरी हो चुकी है। गोडसे अब छिपकर नहीं, बल्कि गर्व से सिर उठाकर चलता है। यह विडंबना हमारे समय की ऐतिहासिक विफलता को उजागर करती है। इसी तरह 'विपदा में ईश्वर' कविता धर्म की पारंपरिक धारणाओं को तोड़ती है। कवयित्री लिखती हैं — 'ईश्वर अब राजा नहीं... साधारण शरीर में असाधारण मन वाले ईश्वर।' यहाँ ईश्वर किसी मंदिर में नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में खड़े साधारण मनुष्य में खोजा गया है।

संग्रह में व्यंग्य, करुणा और आत्मालोचना तीनों स्वर एक साथ चलते हैं। 'तुम्हारे घर में / काम करने वाले के लिए अलग कप है / बस इसीलिए मुझे तुम्हारे इंसान होने पे / शक है' जैसी पंक्तियाँ जितनी सहज हैं, उतनी ही मारक। इस तरह की सरल भाषा में गहरे प्रश्न पूछने की क्षमता शेफ़ाली की बड़ी ताक़त है।

भाषा और शिल्प की दृष्टि से ये कविताएँ कठिन बिम्बों या जटिल प्रतीकों का सहारा नहीं लेतीं। सीधी-सादी भाषा में गंभीर विचार व्यक्त करना ही इनकी विशिष्टता है। कहीं लोककथाओं और प्रतीकों का पुनर्प्रयोग है — जैसे 'कहानियाँ' कविता में खरगोश और शेर, बकरियाँ और नदी, जो परिचित लगते हैं, पर उनके अर्थ राजनीति और समाज की नई व्याख्या में बदल जाते हैं। इस सहजता के कारण कविताएँ व्यापक पाठकवर्ग तक पहुँचती हैं।

संग्रह की अंतिम कविता 'सॉरी आर्यभट्ट सर' को विशेष रूप से रेखांकित करना आवश्यक है। यह कविता केवल गणित और आँकड़ों की आलोचना नहीं है, बल्कि पूरे संग्रह का निष्कर्ष है। बच्चों की मासूमियत, स्त्रियों की स्मृतियाँ, राजनीति की विडंबनाएँ और धर्म की पुनर्व्याख्या, इन सबके बाद कवयित्री अंत में यह स्थापित करती हैं कि आँकड़े जीवन की अनगिनतियों को पकड़ नहीं सकते। असली गणित वही होगा जो नफ़रत, उन्माद और सत्ता-लालसा को घटा सके। कवयित्री लिखती हैं कि कहीं पीछे अतीत में जाकर इन नफ़रतों को घटाना पड़ेगा। यह पंक्ति संग्रह की आत्मा है।

इस दृष्टि से 'सॉरी आर्यभट्ट सर' केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि हमारे समय की आलोचनात्मक डायरी है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि आँकड़े और तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ें, अगर हम जीवन की करुणा, बच्चों की दुनिया, स्त्रियों की स्मृतियाँ और हाशिए के अनुभवों को नहीं बचा पाए, तो हमारी सारी प्रगति शून्य हो जाएगी।

अंततः, शेफ़ाली शर्मा का यह संग्रह हिंदी कविता के वर्तमान परिदृश्य में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसमें आँकड़ों की अमानवीयता का पर्दाफ़ाश है, बच्चों और स्त्रियों की आवाज़ है, सांप्रदायिकता और राजनीति का प्रतिरोध है और साथ ही उम्मीद की धुंधली परंतु मज़बूत रेखा भी है। कविताएँ पाठक को केवल भावुक नहीं करतीं, बल्कि प्रश्नों के घेरे में डालती हैं। यही किसी भी गंभीर साहित्य की पहचान है।

ग़ज़ल

■ मुशफ़िक़ ख्वाजा

जाने वाला जो कभी लौट के आया होगा
हम ने इक उम्र का ग़म कैसे छुपाया होगा

किस तवक़्क़ो पे कोई चाहे वफ़ाओं का सिला
उस ने कुछ सोच समझ कर ही भुलाया होगा

जिस से वाबस्ता रहा हुस्न-ए-तग़ाफ़ुल तेरा
तुझ को वो शख़्स कभी याद तो आया होगा

ज़िंदगी अपनी बहर-हाल गुज़र जाएगी
तू न होगा तिरी दीवार का साया होगा

■■■

कोई दिल तो नहीं है कि ठहर जाएगा
वक़्त इक ख़्वाब-ए-रवाँ है सो गुज़र जाएगा

हर गुज़रते हुए लम्हे से यही ख़ौफ़ रहा
हसरतों से मिरे दामन को ये भर जाएगा

शिद्दत-ए-ग़म से मिला ज़ीस्त को मफ़्हूम नया
हम समझते थे कि दिल जीने से भर जाएगा

चंद लम्हों की रिफ़ाक़त ही ग़नीमत है कि फिर
चंद लम्हों में ये शीराज़ा बिखर जाएगा

अपनी यादों को समेटेंगे बिछड़ने वाले
किसे मालूम है फिर कौन किधर जाएगा

यादें रह जाएँगी और यादें भी ऐसी जिन का
ज़हर आँखों से रग-ओ-पय में उतर जाएगा

■■■

क़दम उठे तो अजब दिल-गुदाज़ मंज़र था
मैं आप-अपने लिए रास्ते का पत्थर था

दिल एक और हज़ार आज़माइशें ग़म की
दिया जला तो था लेकिन हवा की ज़द पर था

हर आईना मिरी आँखों से पूछ लेता है
वो अक्स क्या हुए आबाद जिन से ये घर था

हर इक अज़ाब को मैं सह गया मगर न मिला
वो एक ग़म जो मिरे हौसले से बढ़ कर था

ये वहम था कि मुझे वो भुला चुका होगा
मगर मिला तो वो मेरी ही तरह मुज़्तर था

हज़ार बार खुद अपने मकाँ पे दस्तक दी
इक एहतिमाल में जैसे कि मैं ही अंदर था

तमाम उम्र की तन्हाइयाँ समेटी हैं
यही मिरे दर-ओ-दीवार का मुक़द्दर था

उदास रस्तों में पैहम सुलगती सुब्हों में
जो ग़म-गुसार था कोई तो दीदा-ए-तर था

शहर की हृदयस्थली में चाँदी की चोरी

- श्रीविद्या ज्वैलर्स का शटर तोड़कर दो चोरों ने उड़ाये लाखों के चाँदी के बरतन
- सीसीटीवी में कैद हुयी पूरी वारदात, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर
- घटना पर व्यापारी संगठनों ने जताया विरोध

ललितपुर। सीसीटीवी फुटेज में चोरी करता एक आरोपी।

ललितपुर। इस बार रविवार की सुबह बीच शहर में मुख्य मार्ग पर चोरी की वारदात को अंजाम देकर चोरों ने पुलिस को नई चुनौती दी है। पुलिस ने चुनौती को स्वीकार कर जल्द ही वादरात का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

सदर कोतवाली की सदर चौकी अंतर्गत मेन रोड पर अज्ञात चोरों ने अल सुबह श्रीविद्या ज्वैलर्स की दुकान का शटर तोड़कर लाखों रुपये के चाँदी के बरतन आदि चुरा लिये। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। दुकान के संचालक नीलू-पवन जैन ने बताया कि वे बीती शाम उन्होंने रोज की तरह दुकान बंद की थी। पर सुबह उनके भाई एडवोकेट झब्बू जैन इसी परिसर में अपने कार्यालय में आये तो उन्होंने भाई की दुकान का टूटा हुआ शटर देखा। उन्होंने तत्काल पड़ौसी सचिन जैन सवे उन्हें फोन कराया तो वे मौके पर आ गये। वहाँ सीसीटीवी खंगालने से पता चला कि तड़के करीब सुबह करीब 5 बजे दो अज्ञात चोर शटर के ताले तोड़कर अंदर घुसे हैं। चोरों ने दुकान में रखे लाखों रुपये कीमत के आभूषण, चाँदी के बर्तन व अन्य ज्वेलरी आदि समेट ली और मौके से भाग निकले। चोरी गये माल की कीमत करीब पाँच लाख रुपये बताई गयी है। इस घटना से व्यापारियों में दहशत और रोष का माहौल है। सदर कोतवाल अनुराग अवस्थी और सदर चौकी इंचार्ज ने मौके पर जाँच की ओर सीसीटीवी फुटेज हासिल कर लिये। व्यापारी नेताओं ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है। सदर कोतवाल ने दावा किया जल्द ही पुलिस को हाथ चोरों तक पहुंच जायेंगे।

नौसिखिये लगते हैं चोर

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे दो युवा चोर जिनकी उम्र लगभग 20 से 30 वर्ष के बीच होगी वे नौसिखिये नजर आ रहे हैं। दौनों चोर नंगे पैर हैं। नाईक की टीशर्ट और पेंट पहने युवा चोर ने अपना मुँह नहीं ढका है और वह सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहा है। दूसरे चोर ने अपना मुँह बाँधने की कोशिश तो की है पर उसका भी आधे से अधिक चेहरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने मुख्य शटर भले ही तोड़ दिया हो पर वे दुकान के ऊपरी हिस्से में रखी तिजोरी को नुकसान नहीं पहुंचा सके। चाँदी के बरतन आदि चुराने के बाद वे जल्दबाजी में वे चाँदी के भी कुछ आईटम छोड़ गये है।

गनीमत रही कि नहीं खुली तिजोरी

चोर दुकान के ऊपरी हिस्से में भी गये हैं, लेकिन या तो वे वहाँ रखी तिजोरी को खोल नहीं पाये या फिर उन्हें तिजोरी का पता ही नहीं था। यदि तिजोरी खुल जाती तो यह चोरी बहुत बड़ी हो सकती थी।

एएसपी ने ने किया मौका मुआयना

अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने मौके पर जाकर पूरी वारदात की जानकारी ली। जहाँ से चोर भागे वहाँ जाकर भी पड़ताल की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

होली से पहले खाद्य विभाग की छापामारी

ललितपुर। होली पर्व को देखते हुए मिलावटी एवं संदिग्ध खाद्य पदार्थों पर शिकंजा कसने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जनपद में सघन अभियान चलाया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देश पर टीम ने एक प्रतिष्ठान से भारी मात्रा में रंगीन कचरी जब्त करते हुए नमूने संग्रहित किए। टीम ने सबसे पहले लेडियापुरा आजादपुरा स्थित बबीता पापड़ कचरी उद्योग पर छापा मारा था जहाँ से अधोमानक रंगीन कचरी का नमूना संग्रहित कर 1320 किलोग्राम रंगीन कचरी, अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये को सीज कर दिया गया। इसके बाद टीम ने घुसयाना निवासी सौरभ ग्वाला पुत्र जगदीश ग्वाला की निर्माण इकाई पर पहुंचकर क्रीम एवं घी के नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला परीक्षण हेतु भेजे हैं। जहाँ से रिपोर्ट आने पर तदनुसार कार्यवाही की जायेगी। जाँच अधिकारियों ने बताया कि होली पर्व के मद्देनजर जनपद में मिलावटखोरी पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय विनोद कुमार शर्मा, मुख्यखाद्य सुरक्षा अधिकारी कलीमुद्दीन तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी सच्चिदानंद राय सहित विभागीय टीम मौजूद रही।

प्रवेश आवेदन की तारीख बढ़ी

ललितपुर। समाज कल्याण विभागद्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, तरगुवां (तालबेहट) में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 28 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकतेहैं।विद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र 10 मार्च 2026 को जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवेश परीक्षा 15 मार्च 2026 को आयोजित होगी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियोंकाप्रवेश 23 मार्च 2026 से प्रारंभ किया जाएगा।

डीएम ने तहसील में किया विभिन्न पटलों का निरीक्षण

- 3 वर्ष से अधिक लम्बित प्रकरणों को 10 दिनों में निस्तारित करने का दिया अल्टीमेटम
- प्रशासनिक लापरवाही पर तहसीलदार सदर को दी चेतावनी, पेशकार पर विभागीय कार्यवाही के दिये निर्देश

ललितपुर। तहसील में निरीक्षण करते डीएम।

ललितपुर। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने तथा आमजन को सुलभ सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने शनिवार को नवीन तहसील भवन व पुरानी तहसील भवन का औचक निरीक्षण कर तहसील न्यायालयों व सभी पटलों के कार्यो की समीक्षा की। पुरानी तहसील के निष्प्रयोज्य भवनों का भी निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने न्यायालयों में अधिक समय से लम्बित वादों, ई परवाना व ऑनलाइन वैनामों को 10 दिनों के भीतर निस्तारित कराते हुए सभी पत्रावलियां अद्यतन रखने के निर्देश दिये। 3 वर्ष से अधिक लम्बित बैनामों व कार्य में लापरवाही पर तहसीलदार सदर तनवीर अहमद को चेतावनी जारी की। पेशकार देव श्रीवास्तव की कार्यशिथिलता पर चार्जशीट बनाकर विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार को दिये। डीएम ने कहा कि आम जन की समस्या का अधिक समय तक लम्बित रहना कहीं से भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के न्यायालयों के वादों की समीक्षा की। ऑनलाइन ई परवाना, वैनामा, नकल खतौनी की रिपोर्ट का अवलोकन किया। प्रकरणों के लम्बित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित पटल प्रभारियों को फटकार लगायी और एक सप्ताह के भीतर ई परवाना, वैनामा व खतौनियों को ऑनलाइन फीड करने एवं पत्रावलियां अद्यतन करने के निर्देश दिये। बाद में जिलाधिकारी ने पुरानी तहसील पहुंचकर वहां के निष्प्रयोज्य भवनों की एक.एक कर समीक्षा की। यहां पर उप जिलाधिकारी सदर द्वारा बताया गया कि निष्प्रयोज्य भवनों को ध्वस्तीकरण करके यहां राजस्व कार्मिकों के लिए टाइप-4 एव मल्टी स्टोरी आवास बनाये जाने हेतु आवास विकास परिषद को प्रस्ताव भेजा गया है। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार, उप जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी भूपेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार व अन्य सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुकेश शर्मा बने श्रीभारत सेवा मंडल व्यायामशाला के अध्यक्ष

ललितपुर। रविवार को श्रीभारत सेवा मंडल व्यायाम शाला में बैठक आयोजित की गई जिसमें समिति का कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत नई समिति के गठन पर विचार करते हुए वर्तमान अध्यक्ष राजेश दुबे द्वारा मुकेश शर्मा मानु का नाम अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया जिसे समस्त सदस्यों ने करतल ध्वनि एवं हर्ष ध्वनि के साथ सर्व सम्मति से अनुमोदित किया। अध्यक्ष पर छोड़कर आज मानू शर्मा जनपद की गौरवशाली परंपरा के निर्वाहक बन गये हैं। श्रीभारत सेवा मंडल व्यायाम शाला की स्थापना सन 1940 में देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तैयार करने के लिए काशीनाथ त्रिपाठी (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) द्वारा स्थापित की गई थी। इस दौरान उमानंद हुण्डैत, मोतीलाल सेन, छक्कीलाल भारती, शीलचंद समैया, छक्कीलाल जोशी द्वारा पोषित एवं संचालित व्यायाम शाला का नवीन दायित्व राजेश दुबे संभालेंगे। संचालन कोषाध्यक्ष कमलेश साहू द्वारा किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में सदस्यगण मौजूद रहे।

जिला उद्योग व्यापार मंडल ने दिखाई सक्रियता

ललितपुर। कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते व्यापारी नेता।

जिला उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुरेश बड़ैरा के नेतृत्व में व्यापारी नेता शैलेन्द्र सिंघई, रवीन्द्र दिवाकर, बॉबीराजा, सुबोध गोस्वामी, संतोष इमलिया आदि सबसे पहले मौके पर पहुँचे और पुलिस को इत्तला दी। कोतवाली जाकर सदर कोतवाल को सारी बात बताई और एफआईआर दर्ज करायी।

सीडीओ ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

- डीएम के निर्देश पर रविवार को भी बुलाये गये चिकित्साधिकारी
- लापरवाह ब्लॉक बिरधा, बार एवं जखौरा के आरसीएच ऑपरेटर्स की सेवा समाप्त करने को कहा

ललितपुर। चिकित्सा विभाग की बैठक लेते सीडीओ।

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान ने रविवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक ली और स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों व चिकित्सकों को फटकार लगाते हुए कार्य में सुधार लाने की चेतावनी दी।

मुख्य विकास अधिकारी ने संस्थागत प्रसव व एनआरसी में बच्चों के उपचार पर जोर देते हुए अपेक्षाकृत गंभीर कुपोषित बच्चों को रेफर न कराए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एनआरसी में रेफर कराया जाने और उनको 15 दिन एनआरसी रोककर इलाज के साथ अच्छा पोषण उपलब्ध कराने को कहा। बार बारचेतावनी देने के बाद भी कार्य में शिथिलता बरतने पर बार, बिरधा और जखौरा के आरसीएच ऑपरेटर्स के न सुधरने पर सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए। मातृ मृत्यु दर की समीक्षा के दौरान उपलब्ध करायी गई रिपोर्ट भ्रामक प्रतीत होने पर जब सम्बंधित ऑनलाइन पोर्टल पर दिखवाया गया तो डाटा नहीं मिला। इस पर सीडीओ ने कड़ी नाराजकी व्यक्त करते हुए सम्बंधितों का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश सीएमओ को दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इम्तियाज अहमद, सीएमएस डॉ गजेन्द्र सिंह, डीपीआरओ कुँवर सिंह यादव, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह, पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ सौरभ सक्सेना, डब्ल्यूएचओ से सुमित बघेल, डीएमसी समा परवीन सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

पटाखा विवाद में महिला को पीटा, आठ नामजद

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नयागांव निवासी बबली पत्नी स्व.राम सिंह ने थाना नाराहट में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 फरवरी 2026 की रात चंद्रप्रताप पटाखे चला रहे थे, जिसको लेकर विवाद हुआ। इसके अगले दिन 21 फरवरी को करीब 12 बजे सुरेंद्र सिंह पुत्र हरपाल सिंह, राजकुमार पुत्र सुरेंद्र सिंह, चंद्रप्रताप पुत्र सुरेंद्र सिंह, भरत सिंह पुत्र हरपाल सिंह, ब्रजेंद्र सिंह पुत्र गोपवेंद्र सिंह, गोपवेंद्र सिंह पुत्र हरपाल सिंह, ममता पत्नी सुरेंद्र सिंह तथा मिथलेश पत्नी गोपवेंद्र सिंह निवासी नयागांव उसके घर आए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडा व कुल्हाड़ी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्यवाही तेज कर दी है।

छेड़छाड़ व मारपीट में तीन नामजद

ललितपुर। महरौनी थाना क्षेत्र के ग्राम सैदपुर में छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सैदपुर निवासी मुन्नालाल जैन ने थाना महरौनी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 फरवरी 2026 को दोपहर करीब एक बजे वह अपने घर के बाहर परिवार के साथ मौजूद थे। इसी दौरान गांव के ही अन्नू, आयुष जैन उर्फ भोले तथा शिब्बू जैन वहां आए और उनके बेटे को चिढ़ाते हुए अभद्र शब्द कहने लगे।विरोध करने पर आरोपियों ने मुन्नालाल, उनकी बेटी पायल तथा अन्य परिजनों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में वांछित दो गिरफ्तार

ललितपुर। थाना जखौरा पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ीसफलताहासिलकीहै।दोनों को न्यायिक अभिरक्षा के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह व सीओ सदर सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना जखौरा में पंजीकृत मु.अ.सं. 44/2026, धारा 333, 70(1), 351(3) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त ग्राम थनवारा निवासी रघुवीर पाल पुत्र स्व. सुल्तान पाल, व म.प्र. के जिला अशोकनगर अंतर्गत थाना चंदेरी के ग्राम अमझरा निवासी अरुण पाल उर्फ अरुन पुत्र आशाराम पाल को 22 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया।

महाशिवरात्रि पर निकली भव्य द्वादश ज्योतिर्लिंग शोभा यात्रा

ब्रह्माकुमारीज ने जुटाया श्रद्धा और आध्यात्मिकता का संगम

ललितपुर। ज्योतिर्लिंग शोभायात्रा के दौरान मौजूद श्रद्धालुजन।

ललितपुर। तालबेहट में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।

ब्रह्माकुमारीज के तत्वावधान में निकली इस शोभा यात्रा में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिनमें प्रमुख रूप से सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, केदारनाथ मंदिर सहित अन्य ज्योतिर्लिंग शामिल रहे। शोभा यात्रा के दौरान शिव भजनों, नृत्य-नाटिकाओं और आध्यात्मिक संदेशों के माध्यम से वातावरण भक्तिमय हो उठा। ब्रह्माकुमारी बहनों ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व आत्म-जागृति और परमात्मा शिव से जुड़ने का संदेश देता है। डाक बंगला मंदिर से नगर के प्रमुख मार्गों से होकर हजारिया महादेव मंदिर तक निकली इस शोभा यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा और आरती के साथ स्वागत किया गया। अंत में शिव संदेश के साथ विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की गई। जिसमें समस्त बीके भाई-बहन एवं नगर के सभी भक्तगण सम्मिलित हुए।

दिल्ली की एआई समिट में अर्द्धनग्न विरोध पर धरे गये ऋतिक शुक्ला मौंटी

दिल्ली स्पेशल सेल ने यूपी युवक कांग्रेस महासचिव को हिरासत में लिया

ललितपुर। दिल्ली काण्ड में पकड़े गये स्थानीय युवा कॉंग्रेसी।

ललितपुर। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए बनियान उतार विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रविवार को उत्तर प्रदेश युवक कांग्रेस के महासचिव ऋतिक शुक्ला उर्फ मोंटी शुक्ला को ललितपुर से हिरासत में ले लिया।

दिल्ली की स्पेशल सेल की टीम रविवार को ललितपुर पहुंची और स्थानीय एसओजी के सहयोग से कोतवाली सदर क्षेत्र के नई बस्ती स्थित ऋतिक शुक्ला के आवास पर दबिश दी। टीम ने उन्हें वहीं से हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ऋतिक शुक्ला को पुलिस लाइन स्थित एसओजी कार्यालय ले गई, जहां उनसे कई घंटों तक पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ पूरी होने के बाद स्पेशल सेल की टीम उन्हें लेकर शाम करीब चार बजे दिल्ली रवाना हो गई। हालांकि, इस घटना पर आधिकारिक स्तर पर कोई सरकारी बयान नहीं आया है। राजनीतिक हलकों में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है, वहीं पुलिस अधिकारी अग्रिम जाँच का हवाला दे रहे हैं।

सुदामा चरित्र : सुनकर श्रद्धालुओं के छलके आँसू

श्रीहनुमानधारा मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सम्पन्न

ललितपुर। कथा सुनाते कथा व्यास।

ललितपुर। श्रीहनुमानधारा मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथा व्यास राधा मोहनदासजी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा रहा। महामंडलेश्वर ने सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की अनेक लीलाओं का वर्णन किया, जिसमें माता देवकी के आग्रह पर उनके छह पुत्रों को वापस लाने की लीला, सुभद्रा हरण प्रसंग तथा सुदामा चरित्र का विस्तार से सुनाया। इस दौरान उन्होंने बताया कि सच्ची मित्रता कैसी होनी चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता पर बताया कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने सखा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका पहुंचे। द्वार पर द्वारपालों ने उन्हें भिक्षुक समझकर रोक दिया, लेकिन जब सुदामा ने स्वयं को कृष्ण का मित्र बताया तो द्वारपालों ने अंदर जाकर सूचना दी। जैसे ही प्रभु ने सुदामा नाम सुना, वे भावुक होकर द्वार की ओर दौड़े और अपने सखा को गले से लगा लिया। दोनों की निष्कपट मित्रता सुनकर उपस्थित सभी लोग भाव विभोर हो गये। प्रातः महामंडलेश्वर राधामोहन दास महाराज ने गोलोकवासी महंत गोपीदास महाराज की प्रतिमा का अभिषेक, तिलक, वस्त्र एवं पुष्पमाला अर्पित कर विधिवत पूजन किया। कथा प्रारंभ होने से पूर्व उनके चित्र पर माल्यार्पण कर यजमानों एवं भक्तों ने पुष्पांजलि अर्पित की। आचार्य पंडित कमलेश शास्त्री एवं पंडित रामानुज मिश्रा ने देवी-देवताओं का विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। कथा के समापन पर आयोजित विशाल भंडारे में नगरवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया।

लखनऊ से चित्रकूट के हनुमानगंज तक बस सेवा शुरू

कैबिनेट मंत्री का ग्रामीणो ने जताया आभार

चित्रकूट। बस को रवाना करते कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल व दयाशंकर सिंह ।

चित्रकूट। प्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की पहल पर लखनऊ से हनुमानगंज गाँव के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू हुई है इस बस सेवा से दर्जनों गाँवों के लोगों को लाभ मिलेगा लम्बे समय से क्षेत्रीय ग्रामीण इस मांग को बुलंद करते आये थे, अब मांग पूरी होने पर लोगों नें कैबिनेट मंत्री के प्रति आभार जताया है।

लखनऊ से बस सेवा की शुरुआत कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह नें हरी झंडी दिखाकर किया रोडवेज की यह बस लखनऊ से चलकर जिले के गाँव हनुमानगंज तक आएगी। हनुमानगंज से लालतारोड़ राजापुर धाता सिराथू बछरांवा रायबरेली होकर बस लखनऊ पहुंचेगी जिले में हनुमानगंज से लेकर राजापुर के बीच चकवा, खंडेहा, लालतारोड़, बरिया, करही, रेरूवा, छीबों, पियरिया, सिकरी, अवान, भंभेट का पुरवा और राजापुर के हजारों लोग लाभान्वित होंगें। रोडवेज बस की मांग क्षेत्रीय लोग कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से कर रहे थे उनके प्रयास से ही परिवहन विभाग नें लखनऊ से हनुमानगंज तक बस चलाने की स्वीकृति प्रदान की। बस सेवा शुरू होने पर क्षेत्रीय ग्रामीण बेहद खुश हैं ग्रामीणों नें मंत्री आशीष पटेल और परिवहन विभाग के प्रति आभार जताया हैबुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह नें बताया कि बस सेवा शुरू होने को लेकर दर्जनों गाँवों में खुशी की लहर है।

शिविर के समापन दिवस पर स्वास्थ्य के प्रति किया जागरुक

मऊरानीपुर। शिविर में जागरुक करने की।

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री अग्रसेन महाविधालय में राष्ट्रीय सेवा योजनाओं की तीनों इकाईयों का सात दिवसीय शिविर के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रुप में चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी डॉ. आर. जे. सिंह एवं विशिष्ट अतिथि महाविधालय प्रबन्धक कृष्ण कुमार रहे। इस अवसर पर डॉ. आर. जे. सिंह ने स्वस्थ रहने के तरीके बतायें। स्वयं सेवकों के द्वारा शिविर के सात दिवसीय कार्यो का विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर एआई के अच्छाई एवं बुराई पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविन्द्र कुमार राजपूत, डॉ. कमलेश कुमार , प्राचार्य डॉ. मिर्जा फहीम बेग, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, सुश्री रश्मि वर्मा, डॉ. अनुपम देवी, विजय शंकर सिंह, रविकान्त पाण्डेय, डॉ. अवधेश सिंह निरंजन, प्रदीपचन्द्र जैन, डॉ. लोकेश राणा, डॉ. विजयन्त श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सागर, शरद बाबू सर्राफ, संतोष कुमार खरे, चिराग, पंकज अग्रवाल, प्रशान्त गुप्ता, मनोज कुमार सेन, दीपक सिंह, ग्यासी लाल, हरेन्द्र कुमार, अमित शर्मा, जगभान, बृजमोहन, आशीष आदि महाविधालय स्टाफ उपस्थित रहा। संचालन प्रवक्ता रविकान्त पाण्डेय ने एवं आभार प्राचार्य डॉ. मिर्जा फहीम बेग ने व्यक्त किया।

चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब की बैठक संपन्न

विश्व महिला दिवस पर मातृशक्तियो का होगा सम्मान

चित्रकूट। बैठक मे शामिल गणमान्य लोग ।

चित्रकूट। विश्व महिला दिवस पर चित्रकूट महिला रत्न सम्मान आयोजन को लेकर चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब की प्रबंध कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम मे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खरे, वरिष्ठ समाज सेवी विनोद केसरवानी प्रिंस, आराधना सिंह, योग प्रशिक्षक राम कुमारी, राखी चौबे आदि उपस्थित रहे।

क्लब संयोजक कमलेश कुमार ने बताया कि आगामी 8 मार्च को विश्व महिला दिवस पर जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य एवं प्रेरणादायी उपलब्धि हासिल करने वाली मातृ शक्तियों को चित्रकूट महिला रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम मे अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन साकेत बिहारी शुक्ला एवं अतिथियों का आभार प्रदर्शन क्लब मुख्य संरक्षक तुषारकांत शास्त्री ने किया।

न्यूज ब्रीफ

वारंटी दबोचे

चित्रकूट। थाना रैपुरा उनि जटाशंकर शुक्ला, आरक्षी अखिलेश सिंह यादव, नीतेश सचान, पवन यादव ने वारण्टी रामधनी पुत्र बड़कूपाल, अवधेश पुत्र बड़कूपाल निवासी गड़रियनपुरवा मजरा बगरेही व कोतवाली कर्वी उनि राजेश कुमार, आरक्षी शिवपूजन यादव ने वारण्टी अंकुर दर्जी पुत्र सत्यनारायण निवासी नई दुनिया को गिरफ्तार किया।

शराब के साथ बनाया बंदी

चित्रकूट। उनि गौरव तिवारी, आरक्षी संतोष सिंह थाना मानिकपुर ने अभियुक्त शिवबरन यादव निवासी निही भाटापुरवा को 21 क्वार्टर देशी शराब, उनि करन सिंह, आरक्षी पवन यादव थाना रैपुरा ने अभियुक्त छोटेलाल प्रजापति निवासी ग्राम रैपुरा को 19 क्वार्टर देशी शराब, उनि योगेन्द्र बहादुर सिंह, आरक्षी सौरभ कुमार, दीपक सिंह थाना पहाडी ने अभियुक्त करन सिंह निवासी महाराजपुर थाना पहाडी को 18 क्वार्टर देशी शराब, उनि अमरेशचन्द्र थाना बरगढ़ ने अभियुक्त सोनू खां निवासी करवा को 15 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

अवैध खनन एवं भण्डारण की खनिज विभाग को दे सूचना

चित्रकूट। राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर में खनन विभाग द्वारा विशेष जनजागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में खनन व्यवसायी, ट्रांसपोर्टर और आम नागरिको ने विभाग के कार्यो की जानकारी ली। शिविर में खनिज इंस्पेक्टर मंटू सिंह ने नागरिकों को ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से खनन कार्यों को पारदर्शी बनाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूपी माइन मित्र पोर्टल के जरिए खनिज भंडारण लाइसेंस, पंजीकरण, नवीनीकरण, ट्रांजिट पास एवं शिकायत दर्ज करने जैसी सभी सेवाएं घर बैठे उपलब्ध हैं। इससे विभागीय प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है और भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगा है। खनन विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर अधिकारियों ने मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनीं और कई आवेदनों का निस्तारण किया। उन्होने कहा कि अवैध खनन एवं अवैध भंडारण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी अवैध खनन की सूचना मिले तो तत्काल विभाग को सूचित करें, ताकि राजस्व हानि रोकी जा सके और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो।

चौकी प्रभारी ने किये चालान, वाहन चालकों को दी सख्त हिदायत

मऊरानीपुर (झाँसी) कोतवाली क्षेत्र के अतर्गत आने वाली रानीपुर चौकी क्षेत्र में चौकी प्रभारी कुलदीप पवार के द्वारा रानीपुर के मुख्य बाजार में जाम की समस्या को दृष्टिगत रखते हुये सडक व दुकानों के सामने खडी बाइकों के चालान काटे गये। साथ ही वाहन चालको को सख्त हिदायत भी दी गयी। कि सडक पर उल्टी सीधी बाइक खडी करने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। वही पुलिस ने कहा कि निर्धारित स्थान पर ही पार्किंग करे, अन्यथा चालान के साथ कडी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। कारण कि बाइक चालकों के द्वारा उल्टी सीधी बाइकों को लगा देने से जाम की स्थिति जोरदार अपने पैर पसार लेती है। जिससे आपातकालीन सेवायें भी प्रभावित होती है। इन सब को देखते हुये चौकी प्रभारी सख्त तेवर में देखने को मिले।

तुलसीदास शिक्षा विकास शोध संस्थान की समीक्षा बैठक संपन्न

नई कार्यकारणी का हुआ गठन

चित्रकूट। बैठक मे शामिल संस्थान पदाधिकारी ।

चित्रकूट। तुलसीदास शिक्षा एवं विकास समिति शोध संस्थान द्वारा कार्यालय में बोर्ड एवं समेकित विकास समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन कर सर्वसम्मति से संस्था के पाँचों प्रमुख कोर कार्यक्रमों की औपचारिक शुरुआत की घोषणा की गई। संस्था द्वारा संचालित उड़ान के अंतर्गत ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ने की योजना बनाई गई है। संजीवनी कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर, पोषण जागरूकता एवं वृद्धजन सहायता कार्य नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे। सखी पहल के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सशक्त ग्राम के तहत जल संरक्षण, स्वच्छता एवं ग्राम स्तरीय विकास कार्यो को गति दी जाएगी, जबकि अन्नदाता कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को किसान उत्पादक संगठन से जोड़कर सामूहिक विपणन, मूल्य संवर्धन एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा। नई कार्यकारिणी में संस्था अध्यक्ष राम नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष संतोष कुमार कसेरा, सचिव चंद्र प्रकाश, द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पुष्पा देवी, सहित समिति सदस्य आत्मा प्रकाश उपाध्याय, हरे श्याम मिश्रा, मनेंद्र सिंह, रवि सिंह बघेल, तृप्ति तिवारी, अशोक द्विवेदी, संतोष तिवारी को चुना गया।

इस मौके पर गीता देवी, फूला देवी, डॉ सतीश मिश्रा, राजा राम, मोनू करवरिया, कुलदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

तन से संसार के काम तथा मन से भजन करो : जागेश्वर महाराज

गुरसरांय। सला घाट जागेश्वर धाम में पूज्य जागेश्वर महाराज ने सत्संग करते हुए कहा कि जीवन मे भगवान के नाम से बड़ा कुछ नही है।उन्होंने कहा कि तन से संसार का कार्य करें तथा मन को भगवान की भक्ति में लगाएं,यही जीवन का सत्य है।तभी आप भव सागर से पार हो पाएंगे।

महाराज जी का स्वागत खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी ने माल्यार्पण करके किया।

इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल, सितार वादक पं सरजू शरण पाठक,नंदकिशोर शर्मा,सतीश नायक बाबू जी,शिवम गिरी आदि उपस्थित रहे।

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ संपन्न

गुरसराय (झांसी) नगर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया महिला पीजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक यादव की अध्यक्षता एवं मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम का आरंभ वीणा पाणी मां शारदे के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके हुआ इसके उपरांत मुख्य अतिथि का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर पिंकी सिंह के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर किया गया इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं मुख्य अतिथि के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया तत्पश्चात स्वयंसेविकाओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई टोली नायक द्वारा साथ दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की गई राष्ट्रीय सेवा योजना में सर्वोत्तम कार्य करने हेतु स्वयं सेविकाओं को महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय की प्राचार्य के द्वारा संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज सेवा ही सच्ची सेवा है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य भी यही है महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर पिंकी सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें सामाजिक कार्यों में हमेशा बढ़ चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए उन्होंने स्वयं सेविकाओं द्वारा किए गए कार्यों की भी भूरी भूरी प्रशंसा की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर पूनम यादव शारदा सिंह चौहान पूजा सोनी प्रीति अडजरिया डॉ वीरेंद्र सिंह डॉक्टर अजय गौर राम राजपूत आर पी निरंजन यादवेंद्र सिंह लल्लू यादव जय प्रताप सिंह गुलाब राय शर्मा दीपक यादव बृजेंद्र प्रजापति अरविंद नामदेव अनुराग लाली छाया आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन इकाई प्रथम की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर आराधना यादव ने किया एवं आभार इकाई द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर धीरज दीक्षित ने किया।

अंजुम आरा ने छत्तीसगढ पीसीएस जे परीक्षा की टॉप

ह्यूमन राइट्स लीगल नेटवर्क ने जतायी खुशी

चित्रकूट। टॉपर छात्रा अंजुम आरा

चित्रकूट। ह्यूमन राइट्स लीगल नेटवर्क से इंटर्नसिप करने वाली छात्रा अंजुम आरा छत्तीसगढ़ मे पीसीएस जे मे प्रथम रैंक से राज्य में टाप किया हैं यह ह्यूमन राइट्स लीगल नेटवर्क के लिये गौरव की बात है।

ह्यूमन राइट्स लीगल नेटवर्क जिला संयोजक कामरेड रूद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि अंजुम आरा मूलतः अमेठी की रहने वाली है और झूंसी प्रयागराज में रहकर इलाहबाद विश्वविद्यालय से लॉ कोर्स करके डिग्री प्राप्त किया और छतीसगढ़ से पीसीएस जे में टाप किया। उन्होंने बताया की उनके पिता शमीम अहमद एसबीआई बैंक में सहायक प्रबंधक हैं और माँ अख्तरी बेगम घरेलू महिला है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जाति, धर्म का भेद नजरअंदाज करते हुए अंजुम आरा ने यह मुकाम पाया है और लीगल नेटवर्क के लिये खुशी की वात है।

बधाई देने वालो मे कामरेड राम सहाय, शिवम् द्विवेदी अजय, बाबूराम, केके यादव, आरएस शुक्ला, महेन्द्र, मन घूमन, शिव प्रसाद, लल्लू राम, राम प्रताप, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, रमेश प्रसाद यादव एडवोकेट आदि रहे।

आबकारी टीम ने दी दबिश लहन नष्ट कर बरामद की शराब

तीन अभियुक्तो को किया गिरफ्तार

चित्रकूट। बरामद लहन के साथ आबकारी टीम व अभियुक्ता ।

चित्रकूट। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के कुशल निर्देशन में जनपद में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिये विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है।

जिला आबकारी अधिकारी अखिलेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में आबकारी विभाग टीम द्वारा जिला मुख्यालय के ग्राम पुरवा तरौंहा तथा चितरा गोकुलपुर में संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान लगभग 200 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया। 28 लीटर अवैध शराब जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया कर संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम, की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। उन्होने बताया कि बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के व्यापार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। दबिश टीम मे आबकारी निरीक्षक प्रणव पाण्डेय, प्रधान आरक्षी धमेन्द्र राजपूत, सनमान सिंह, दुष्यंत कुमार यादव, सागर, दीपक, अर्चना सिंह, सरताज खांन रहे।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की नई जिला कार्यकारिणी की पहली बैठक सम्पन्न

जिलाध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी टीम के साथ वृक्षारोपण कर शुरू किया कार्यकाल

बघैरा(झांसी)। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की नई जिला कार्यकारिणी की पहली बैठक चिरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बघैरा में जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बैठक के दौरान संगठन को मजबूत एवं विस्तार करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकता,शिक्षा,युवाओं की भागीदारी तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना संगठन की प्राथमिकता रहेगी साथ ही प्रत्येक ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर कमेटियों के गठन पर जोर दिया गया। जिससे संगठन की पकड़ जमीनी स्तर तक मजबूत हो सके।

जिला पदाधिकारियों ने आगामी महापुरुषों की जयंतियों को बड़े ही धूमधाम से मनाने की रूपरेखा तैयार करते हुए सदस्यता अभियान चलाने, समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने तथा सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बैठक में सभी ने संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने और समाज हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया एवं बैठक स्थल पर जिला पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ध्रुव कुशवाहा जिलाध्यक्ष ने की एवं सफल संचालन जिला मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र कुशवाहा लुधियाई एवं जिला सोशल मीडिया प्रभारी कमलेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत में अशोक कुशवाहा बाबू जी गुरसरांय जिला महामंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर ध्रुव सिंह कुशवाहा जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा झांसी, अशोक बाबू गुरसरांय जिला महामंत्री, संदीप चिरगांव जिला कोषाध्यक्ष,पत्रकार बृजेन्द्र कुशवाहा लुधियाई जिला मीडिया प्रभारी, कमलेश कुशवाहा पिंकू भैया जिला सोशल मीडिया प्रभारी, पवन चिरगांव संचालक रामराजा विवाह घर जिला उपाध्यक्ष, विनोद ठेकेदार बड़ागांव जिला उपाध्यक्ष, सुखलाल टहरौली जिला उपाध्यक्ष, जितेन्द्र चौकरी बंगरा जिला उपाध्यक्ष, एडवोकेट बाबूलाल चिरगांव जिला सचिव, चन्द्रप्रकाश पूर्व पार्षद रानीपुर जिला सचिव,धर्मदास गुरसरांय जिला सचिव,नरेन्द्र गड़बई जिला सचिव,अमरनाथ करकोस जिला संगठन मंत्री,बादाम मोड़कला जिला संगठन मंत्री,सुरेश झांसी जिला कार्यकारिणी सदस्य,डॉ राकेश गुरसरांय जिला कार्यकारिणी सदस्य, कृपाराम खैरो जिला कार्यकारिणी सदस्य,घमंडी लाल कुशवाहा अध्यक्ष कुशवाहा समाज गुरसरांय,अर्जुन सिंह चिरगांव, सुक्रन कुशवाहा पूर्व अध्यक्ष कुशवाहा गुरसरांय, जानकी एरच, विश्वनाथ खैरो, विजय नाँदखास, अवधेश बघेरा, अमृत बघेरा पूर्व युवा जिला अध्यक्ष, हरनारायण रानीपुर, रमाकांत जसवंतपुरा, आलोक कुशवाहा, राजकुमार, मनोज, कैलाश बघेरा, एडवोकेट लोकेंद्र, राहुल, अंशुल, विमल खिल्लबारी, आलोक एरच आदि लोग मौजूद रहे।

न्याय का वास्तविक अर्थ, लोगों के चेहरे पर खुशी लानाः न्यायाधीश

- सरकारी योजनाओंसेपात्र व्यक्तियोंको लाभान्वित कराकर न्यायपूर्वक विकास की मुख्य धारा से जोड़ें अधिकारी
- प्रज्ञा के साथ करुणा का जोड़ अति आवश्यकः अपर जिला जज/नोडल अधिकारी वृहद शिविर
- वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन पं. दीनदयाल सभागार में सम्पन्न

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान एवं माननीय जनपद न्यायाधीश महोदया श्रीमती कमलेश कच्छल के मार्गदर्शन में आज श्री ललित नारायण झा, माननीय न्यायाधीश, कॉमशियल कोर्ट के मुख्य आतिथ्य मेंवृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन पं.दीनदयाल सभागार में किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीशगण मनराज सिंह, पी.ओ., एमएसीटी,न्याज अहमद अंसारी, अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (पॉकसो एक्ट), नेत्रपाल सिंह अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (डकैती अधि.), जितेन्द्र यादव अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश (ई.सी. एक्ट),कमलकांत श्रीवास्तव, अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश,शरद कुमार चौधरी, अपर जिला जज/नोड़ल, ईश्वर शरण कन्नौजिया, सी.जे.एम., प्रतीक त्रिपाठी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमती ईशा त्रिपाठी सिविल जज(सी.डि.)/ए.एफ.टी.सी. एवं अन्य न्यायाधीशगण उपस्थित रहे । वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में मुख्य अतिथि ललित नारायण झा न्यायाधीश, कॉमशियल कोर्ट ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि न्याय का वास्तविक अर्थ लोगों के चेहरों पर खुशी लाना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आज इस कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाई है। आज के कार्यक्रम में इस सभागार परिसर में 34 विभागों के स्टॉल लगाये गये, जिससे लोगों को सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके। प्रत्येक व्यक्ति को संविधान में दिये गये अधिकारों से जागरुक होना अति आवश्यक है। विभागीय अधिकारी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाये, जिससे वह न्यायपूर्वक विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके। कार्यक्रम मेंशरद कुमार चौधरी अपर जिला जज/नोडल अधिकारी वृहद शिविर ने सम्बोधन में कहा कि विधिक साक्षरता शिविर आमजनमानस को न्याय की प्रक्रिया से जोड़ने का एक प्रमुख साधन है। सरकारी सेवा में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी कुशल प्रतिभावान, जिनके सहयोग से आज का यह कार्यक्रम अपने सफल स्वरुप को धारण कर सका। हमारे देश में सर्वाधिक प्रतिभावान व्यक्ति ही सरकारी सेवा का अंग बनते है, यह हमारे लिए अत्यधिक गर्व की बात है। आज इस कार्यक्रम को सफल बनाकर शासकीय कार्मिकों ने निश्चित रुप से अपनी प्रज्ञा को साबित किया है। प्रज्ञा के साथ करुणा का जोड़ अति आवश्यक है। विधिक शिविर का मुख्य उद्देश्य न्याय को प्रत्येक व्यक्ति के द्वार तक पहुंचाना है, जिससे वह अपनी बात निःसंकोच प्रस्तुत कर सके। कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुयेप्रतीक त्रिपाठी सिविल जज सी.डी./सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि हमारे देश का संविधान सभी नागरिकों को अपनी आवाज उठाने, अपने अधिकारों का प्रयोग करने और किसी भी भेदभाव को चुनौती देने की शक्ति प्रदान करता है, इन सिद्धान्तों की पूर्ति के लिए आज इस वृहद विधिक शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसका उद्देश्य लोगों को कानून की जानकारी प्रदान करने के साथ जागरुकता से सशक्तिकरण की ओर एक नया कदम बढ़ाने का सुअवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के आयोजन के माध्यम से आमजनमानस को सरकारी कानूनों के साथ योजनाओं की व्यापक जानकारी भी प्रदान की जायेगी, ताकि पात्र लाभार्थियों को त्वरित रुप से योजनाओं के लाभ से लाभान्वित भी किया जायेगा। इन शिविर के द्वारा लोगों को विधिक सहायता एवं उनकी कानूनी समस्याओं की सुनवाई करते हुये उन्हें उचित सलाह भी प्रदान की जायेगी। न्याय पर सभी का अधिकार है और किसी भी परिस्थिति में किसी भी व्यक्ति से न्याय को छीना नहीं जा सकता है। नालसा और सालसा की तरफ से न्याय, सामाजिक व आर्थिक भेदभाव को कम करने के लिए यह विधिक शिविर अनूठी पहल के रुप में शुरु किये गये हैं। सभी जनपद वासियों से यह अपील है कि वह इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाये और इस शिविर को सफल बनाये। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों द्वारा उद्योग विभाग में संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूलकिट, उ.प्र. डेवलपमेंट सिस्टम कॉपरेशन द्वारा स्वामी विवेकानन्द योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अन्तर्गत दिव्यांग लाभार्थियों को ब्रेल किट, सीपी चेयर, कान की मशीन, ट्राईसाइकिल एवं व्हील चेयर, आपूर्ति विभाग के तहत लाभार्थियों को पोष्टिक आहार सामग्री वितरित की गयी। विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में अतिथियों द्वारा सभागार परिसर में विभिन्न विभागों (राजस्व, श्रम, पंचायती राज, जिला विकास/खण्ड विकास, पुलिस, विद्युत, कृषि, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, प्रोबेशन, नगर विकास, कौशल विकास मिशन, युवा कल्याण, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शिक्षा, पशुपालन, पिछड़ावर्ग कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण, खाद्य सुरक्षा एवं रसद, परिवहन, वन, आवास एवं नगर विकास, बैंक सहायता, सूचना एवं जनम्पर्क, राजकीय संग्रहालय, जल शक्ति, ग्रामीण विकास, विकास प्राधिकरण, न्याय एवं अन्य) द्वारा सरकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा सभागार में माँ सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर च्वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविरज्ज का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इसके उपरान्त दृष्टि बाधित विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगेयोगेन्द्र कुमार, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, उप निदेशक राजकीय संग्रहालय डॉ.मनोज कुमार गौतम, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रति वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री सुरेन्द्र कुमार पटेल, जिला पूर्ति अधिकारी सौम्या अग्रवाल, जिला कारागार अधीक्षक विनोद कुमार, जनपद न्यायालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जैनेन्द्र मणि त्रिपाठी, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, प्रमोद शिवहरे, सचिव छोटेलाल वर्मा, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल प्रतीक समाधिया, वरिष्ठ सहायक आदिल जाफरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद् डॉ.नीति शास्त्री ने किया ।

न्यूज ब्रीफ

जनपद वासियों को मिलेगी झांसी से लखनऊ जाने अत्याधुनिक वातानुकूलित बस की सुविधा

झांसीजयूसं। क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज संतोष कुमार सिंह ने बताया कि माननीय सदर विधायक रवि शर्मा 23 फरवरी 2026 को अपराह्न 02 बजे झांसी डिपो की 02 अत्याधुनिक वातानुकूलित बसों (झांसी-लखनऊ) को बस स्टेशन झांसी से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, आम जनमानस को झांसी से लखनऊ की यात्रा करने हेतु अत्याधुनिक वातानुकूलित (ए.सी.) बस की सुविधा मिलेगी।

कांग्रेस तैयार करेगी प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की टीम

झांसी जयूसं। कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन की नेशनल कोर्डिनेटर एवं यूपी की प्रभारी सुश्री रेणुका गांधी एवं बुंदेलखण्ड जोन के प्रभारी अंशुमन सिंह का झांसी आगमन हुआ। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष नीरज कुशवाहा व शहर अध्यक्ष मनोज तिवारी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य नये प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करना है। पार्टी आने वाले पंचायत चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। इस दौरान उन्होंने नि. प्रदेश सचिव मनीराम कुशवाहा, अमीर चंद आर्य, युवराज सिंह यादव, केतन जैन,प्रफुल्ल तिवारी, अखलाक मकरानी, संकल्प अग्रवाल , शहनबाज हुसैन व सौरभ साहू आदि मौजूद रहें।

मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद किया

झांसी जयूसं। कांग्रेस कार्यालय मानिक चौक में स्वतन्त्रता सेनानी व देश के प्रथम शिक्षा मंत्री भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष जुगल किशोर वर्मा की अध्यक्षता में मनाई गई।

इस अवसर पर सर्वप्रथम मौलाना आजाद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । तदोपरांत विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि मौलाना आजाद ने देश की आजादी के आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में रहकर अपना योगदान दिया। इस मौके पर अमीर चंद आर्य, हरिओम श्रीवास , सुरेन्द्र कुमार, रोवेश खान, दयाल दास व साबिर अब्बास आदि मौजूद रहें।

हीरापुर व बुढ़पुरा में होगी ग्राम चौपाल 27 फरवरी को

झांसी जयूसं। चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी प्रेम प्रकाश भारती की अध्यक्षता में ग्राम हीरापुर (तहसील झाँसी में शुक्रवार, 27 फरवरी को प्रातः 11 बजे तथा ग्राम बुढ़पुरा तहसील झाँसी में 27 फरवरी को अपराह्न 01 बजे ग्राम चौपाल आयोजित होगी। बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी ने बताया कि ग्राम चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामों में चकबन्दी से सम्बन्धित कार्य/समस्याओं के समाधान हेतु ग्राम चौपाल के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। उन्होंने उक्त ग्रामों में आयोजित होने वाली ग्राम चौपाल में सम्बन्धित ग्राम वासियों से प्रतिभाग करने की अपील की है।

वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

झांसी जयूसं। बीजीएम वंडर प्ले स्कूल शिवाजी नगर में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। वार्षिक उत्सव में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गए डांस प्रस्तुत किए गए स्कूल की प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय की प्रगति आख्या सभी अभिभावकों के समक्ष रखी गई। कार्यक्रम में विशाल गुप्ता डायरेक्टर बीजीएम ग्रुप लॉर्ड महाकालेश्वर, लॉर्ड महाकालेश्वर इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य गायत्री गुप्ता,बीजीएम स्कूल की डायरेक्टर संजना गुप्ता, नसरीन बानो, प्रभा जायसवाल, आकांक्षा वर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रभा जायसवाल ने एवं संजना गुप्ता द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया।

शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले स्काउट गाइड के बच्चों को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। बुंदेलखंड कॉलेज में लार्ड बेडेन पॉवेल और लेडी बेड़न पॉवेल के जन्मदिवस को चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया। रोवर प्रभारी प्रो एल सी साहू एवं रेंजर प्रभारी डॉ. वंदना कुशवाहा ने चित्र पर माल्यार्पण कर चिंतन दिवस की सभी रोवर रेंजर को बधाई दी।

सभी प्रवेश निपुण रोवर रेंजर को शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला संस्था भारत स्काउट और गाइड झांसी कोषाध्यक्ष सुनील द्विवेदी ने सम्मानित किया। जिसमे आयुषी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ रेंजर और आजाद अहिरवार को सर्वश्रेष्ठ रोवर अवॉर्ड तथा साक्षी यादव को सर्वश्रेष्ठ सर्विस रेंजर और आशीष कुमार को सर्वश्रेष्ठ सर्विस रोवर तथा सूरजमुखी टोली ने सर्वश्रेष्ठ टोली का अवॉर्ड जीता। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त रोवर- रेंजर एवं सीनियर रोवर रेंजर मेट मोहम्मद अल्शान और प्रतीक्षा यादव उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन सीनियर रोवर मेट गोपाल दास कुशवाहा ने एवं आभार सीनियर रेंजर मेट काजोल अहिरवार के द्वारा किया।

ट्रेनों में चलाया गया चेकिंग अभियान

झांसी जयूसं। रेल सुरक्षा बल ने ट्रेनों में कोच अटैंड, बैडरॉल स्टॉफ और ओबीएचएस स्टॉफ को चेक किया। चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति शराब का सेवन करते पकड़ा गया तो कंपनी का टैंडर निरस्त कर दिया जाएगा। इस चेतावनी को लेकर संविदा पर काम करने वाले स्टॉफ में हड़कंप मचा हुआ है। मालूम हो कि कुछ दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कोच अटैंड या बैडरॉल सप्लाई करने वाले कर्मचारी रेलयात्रियों से सुविधा शुल्क लेकर फ्री में सफर करवा रहे हैं, या फिर शऱाब सेवन का मौका दिया जा रहा है। इन शिकायतों को रेलवे बोर्ड ने गंभीरता से लिया। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर आरपीएफ की टीम ने झांसी से गुजरने वाली ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान शुरु कर दिया। इस अभियान से स्टॉफ में हड़कंप मचा हुआ है।

रेल सुरक्षा बल पोस्ट वीजीएलजे ने वीरांगना लक्ष्मीबाइ स्टेशन पर गाडियों में कोच अटैण्डरो, बैडरॉल स्टाफ, ओबीएचएस स्टाफ आदि को चैक किया गया।

बस आपरेटर्स एसोसियेशन की कार्यकारिणी का गठन

झांसी जयूसं। झाँसी-मऊरानीपुर एवं संम्बन्धित मार्ग बस आपरेटर्स एसोसियेशन झाँसी की कार्यकारिणी समिति का निर्वाचन छत्रपाल वर्मा सहायक रजिस्टार फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स झाँसी के कार्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें निर्विरोध पदाधिकारी एवं सदस्यगण निर्वाचित हुए एवं प्रमाण पत्र दिया गया। निर्वाचन में अनूप कुमार यादव, विक्की मुडारा, सुरेन्द्र स्यावनी, विकास अग्रवाल, पप्पू रायल, प्रिन्स, अजीज, अक्कन आदि उपस्थित रहे।

इसमौके पर प्यारे किशन अग्रवाल संरक्षक, राजीव अग्रवाल अध्यक्ष, अशोक जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रामकुमार यादव कनिष्ठ उपाध्यक्ष, हासिम अली सचिव, अरूण सोनी सहायक सचिव, रवि यादव कोषाध्यक्ष, मनोज जैन आय व्यय निरीक्षण, आरिफ अली प्रचार मन्त्री, के अतिरिक्त 11 कार्यकारिणी समिति सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए। इनमें देवेन्द्र सिंह परिहार, श्याम सुनदर तिवारी, मुहममद जावेद, तुफैल अहमद, दीपक अग्रवाल, आजाद अली, मुन्ना राठ दुष्यन्त सिंह, हनीफ. सतीश चन्द्र जैन, संन्तोष, संजीव कुमार जैन, हाशिम आदि शामिल है।

एसआईआर के अंतर्गत जनपद भर के समस्त बूथों पर विशेष अभियान संपन्नः जिला निर्वाचन अधिकारी

- जिला निर्वाचन अधिकारी सहित उप जिला निर्वाचन अधिकारी समस्त रजिस्ट्रीकरण निर्वाचन अधिकारी ने किया बूथों का निरीक्षण

झाँसी जयूसं। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत रविवार, 22 फरवरी 2026 को जनपद के समस्त 1762 मतदेय स्थलों पर चौथा विशेष अभियान दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। विशेष अभियान की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान दिवस का उद्देश्य दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित करना तथा मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन करना रहा। इसके पूर्व 11 जनवरी, 18 जनवरी और 31 जनवरी 2026 को भी तीन अभियान दिवसों का सफल आयोजन किया जा चुका है। जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी निर्धारित समय अवधि में उपस्थित रहे और मतदाताओं से आवेदन प्राप्त किए।

अभियान के दौरान मतदान केंद्रों पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था रही, जहाँ मतदाताओं को प्रपत्र 6 एवं 8 भरने में आवश्यक सहायता प्रदान की गई और नागरिकों द्वारा अपने नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने एवं संशोधन से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का भी अभियान में सहयोग प्राप्त हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह पाए। जिला निर्वाचन अधिकारी मृदुल चौधरी ने विभिन्न बूथों के निरीक्षण के दौरान उपस्थित सामान्य मतदाता एवं आम जनमानस से अपील की है कि दावा एवं आपत्ति अवधि की अंतिम तिथि 6 मार्च तक सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन के लिए आवेदन श्ररुट्ठहश्व्ञ मोबाइल एप्लीकेशन तथा 1श्रहृद्गह्वद्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी किया जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बूथों के भ्रमण के दौरान बताया कि जनपद में लगभग 07 हजार से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह की 80000 हजार से अधिक महिलाओं को भी ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को मतदाता सूची में शामिल करने हेतु लगाया गया है। उन्होंने ऐसे परिजनों से आह्वान किया कि जिनके घर ब्याह कर कोई युवती यदि आई है तो उसका अवश्य फॉर्म 6 भरवाना सुनिश्चित करें ताकि उसे मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। निरीक्षण के दौरान समस्त बूथों पर मतदाताओं को बैठने हेतु कुर्सी, बेंच, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था पाकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सदर गोपेश तिवारी, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मऊरानीपुर सुश्री श्वेता साहू, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी गरौठा सुनील कुमार, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बबीना गौरव आर्या ने भी अपने विधानसभा क्षेत्र के बूथों का निरीक्षण किया।

संत निरंकारी मिशन के सेवादारों द्वारा पहुज नदी घाट में चलाया सफाई अभियान

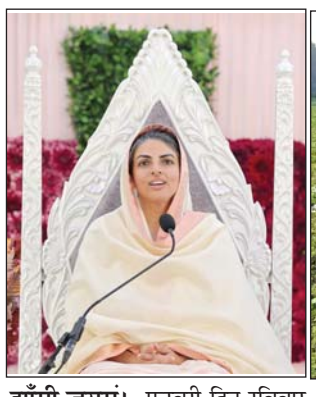

झाँसी जयूसं। फरवरी दिन रविवार को प्रोजेक्ट अमृत कार्यक्रम के तहत -स्वच्छ जल, -स्वच्छ मन, परियोजना को साकार रूप देने के लिए पहुज नदी घाट को स्वच्छ करने का कार्य प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों सेवादारों व श्रद्धालुओं द्वारा व संचालक अनिल कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। सफाई स्थल पर ही बलिया, से आये महात्मा अर्जुन सिंह की अध्यक्षता में एक विशाल सत्संग का आयोजन भी किया गया एवं सत्संग समाप्ति के बाद प्रसाद वितरित किया गया। सफाई अभियान एवं सत्संग कार्यक्रम झांसी जिले की सभी शाखाओं में भी किया गया।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्री तटों की निस्वार्थ भाव से स्वच्छता एवं संरक्षण का व्यापक अभियान आज जन-जन के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन रहा है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त संदेश है।

'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य एवं प्रेरणास्पद आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के मार्गदर्शन में भारतवर्ष के 25 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेश के 930 शहरों के 1600 से अधिक स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें लगभग 12 लाख स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। यह केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि अध्यात्म, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समन्वय था, जो जन-जन के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए जागरूकता एवं कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाता है। संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में, बाबा हरदेव सिंह जी की अनेक शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए इस 'प्रोजेक्ट अमृत' का आयोजन किया गया। यह परियोजना मानवता को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है। दिल्ली के बुराड़ी चौक ग्राउंड न.08 में आयोजित विशेष सत्संग कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने अपने अमृतमय प्रवचनों में फरमाया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है। यदि हम स्वयं को उनके अनुयायी कहते हैं, तो हमें आत्ममंथन करना होगा, कि क्या हम वास्तव में प्रेम, सेवा, करुणा और समदृष्टि जैसे मानवीय गुणों को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का सम्पूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने सिखाया कि सेवा, सुमिरन और सत्संग जीवन का आधार हैं। भक्ति केवल वाणी तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार में झलके - यही उनका स्पष्ट संदेश था। इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए मिशन द्वारा च्संत निरंकारी हेल्थ सिटीज्ज जैसी मानवीय सेवा परियोजनाओं को विकसित किया जा रहा है। यह पहल केवल स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि करुणा और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। जिस प्रकार ब्रह्मज्ञान आत्मा को शांति प्रदान करता है, उसी प्रकार यह स्वास्थ्य सेवा समाज के प्रत्येक वर्ग को शारीरिक राहत और सशक्त जीवन प्रदान करने का माध्यम बनेगी। सत्संग में यह आह्वान किया गया कि प्रत्येक श्रद्धालु तन-मन-धन को निराकार की देन मानते हुए निष्कपट भाव से सेवा में जुड़े। जब सेवा स्वार्थरहित होती है, तभी वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। अंत में यही कामना की गई कि बाबा जी की शिक्षाएँ प्रत्येक हृदय में जीवित रहें और हेल्थ सिटी जैसे प्रकल्प मानवता की भलाई के नए आयाम स्थापित करें। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का शुभारम्भ सेवादल के प्रार्थना गीत से हुआ, जिससे

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी